मूल्य 1 रु.
वर्ष: 9 - अंक : 226, मुंबई, गुरुवार, 21 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

मोदी से मिले पवार

पवार ने मोदी से कहा राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू है, किसानों की मदद के लिए आपका दखल बेहद जरूरी

पीएम नरेंद्र मोदी और एनसीपी चीफ शरद पवार की मुलाकात से महाराष्ट्र की राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है

पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में एनसीपी के अनुशासन की तारीफ कर दी। इसके बाद से ही सियासी हलकों में नए समीकरण को लेकर तरह-तरह की चचाएं तेज हो गई। एक चर्चा तो यह भी है कि महाराष्ट्र में एनसीपी और बीजेपी की सरकार बन सकती है और इसके एवज में केंद्र में शरद पवार की पार्टी को तीन अहम मंत्रालय मिल सकते हैं। इतना ही नहीं, इससे आगे चर्चा यह भी है कि शरद पवार को 2022 के लिए राष्ट्रपति का पद भी ऑफर किया जा सकता है।

शिवसेना विधायक अब्दुल सत्तार ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने सभी विधायकों को कपड़े और आधार कार्ड के साथ 22 नवंबर को मातोश्री में बुलाया है।

केंद्र में बड़ा रोल!

बीजेपी का लुभावना 'ऑफर' मानेंगे शरद पवार?

मुंबई। नई दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी और एनसीपी चीफ शरद पवार की मुलाकात से महाराष्ट्र की राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। सूबे में सरकार गठन को लेकर जारी उठापटक के बीच इन दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद सियासी हलकों में कई नए समीकरण की चर्चा जोरों पर है। एक चर्चा तो यह भी है कि महाराष्ट्र में एनसीपी और बीजेपी की सरकार बन सकती है और इसके एवज में केंद्र में शरद पवार की पार्टी को तीन अहम मंत्रालय मिल सकते हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

हालांकि इन सबके बीच शिवसेना ने फिर दावा किया है कि महाराष्ट्र में उनकी ही सरकार बनेगी। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि गुरुवार तक सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी

राज्यसभा में बदली शिवसेना सांसद संजय राउत की सीट

सभापति को चिट्ठी लिख कहा- अभी एनडीए से औपचारिक निष्कासन नहीं

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना के बीच तनातनी का असर केंद्र की राजनीति से लेकर संसद तक दिख रहा है। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत की सीट सदन में बदल दी गई है। इस पर राउत ने सभापति वेंकैया नायडू को पत्र लिखकर आश्चर्य प्रकट किया और आरोप लगाया कि यह शिवसेना को आहत करने के लिए किया गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली में शरद पवार के घर पर राकांपा-कांग्रेस की बैठक, नहीं निकला नतीजा

महाराष्ट्र में नई सरकार गठन के मुद्दे पर बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस और एनसीपी के नेताओं के बीच बैठक हुई, लेकिन सरकार बनाने का रास्ता नहीं निकल पाया। इस बैठक के बाद महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि दोनों पार्टी के नेताओं के बीच हुई बैठक सकारात्मक रही। इस दौरान महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन खत्म करने पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि अभी नई सरकार के गठन को लेकर कुछ और बातें होनी बाकी हैं। यह बैठक एनसीपी चीफ शरद पवार के आवास पर दोनों पार्टियों के बीच साझा कार्यक्रम पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी।

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

'सोशल' होने का खतरा

साइबर क्राइम के मामलों में हो रही है बढ़ोतरी

मुंबई। सोशल मीडिया सिर्फ प्रतिभा दिखाने और मेल-जोल बढ़ाने भर का ही साधन नहीं है, इससे अपराध भी बढ़ रहे हैं। सबसे बड़ी भूमिका हेलो, लाईकी, बिगो, लाइव, लाइक मी, टिक टॉक, मी लाइव और वी-चैट जैसे दर्जनों ऐप्स निभा रहे हैं। इन पर कुछ सेकंड्स का विडियो अपलोड कर प्रतिभा दुनिया के सामने लाई जाती है, लेकिन कुछ लोग इनका इस्तेमाल फ्रॉड और दूसरे तरह के अपराधों के लिए भी करते हैं। पुलिस के अनुसार, स्टंटबाज इन ऐप्स का खूब इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, धोखाधड़ी और यौन उत्पीड़न जैसे मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

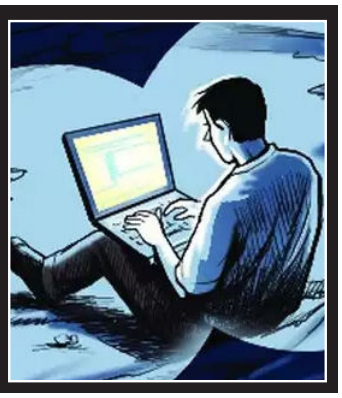

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

नीलाम नहीं हुई इकबाल मिर्ची की प्रॉपर्टी, फिर से लगेगी बोली

मुंबई। मुंबई अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के सहयोगी इकबाल मिर्ची से प्रॉपर्टी डीलिंग को लेकर पिछले एक महीने में कुछ राजनेता से लेकर बड़े व्यापारी प्रवर्तन निदेशालय की जांच के घेरे में आ चुके हैं। लेकिन जब उसकी कई पुरानी संपत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया मंगलवार को मुंबई में शुरू हुई, तो किसी ने भी उन्हें खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

मंगलवार को उसके सांताक्रूज पश्चिम स्थित दो फ्लैट की बोली लगाई गई थी, लेकिन कोई इन्हें खरीदने ही नहीं आया। मिल्टन अपार्टमेंट्स में स्थित दोनों फ्लैट 1245 वर्ग फीट में फैले हुए हैं। इनकी नीलामी का रिजर्व प्राइस 3.45 करोड़ रुपये रखा गया था। जांच एजेंसियों को लगता है कि यह रकम बहुत ज्यादा थी, इसलिए लोगों ने शायद खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

सूत्रों के अनुसार, अब फिर से नई रिजर्व प्राइस तय की जाएगी और उसके बाद अखबारों में नया विज्ञापन दिया जाएगा। वैसे, कुछ साल पहले मिर्ची का मध्य प्रदेश स्थित एक बंगला 6 करोड़ रुपये में बिका था। इसीलिए कुछ लोगों का कहना है कि संभव है मंगलवार को उसकी मुंबई वाली प्रॉपर्टी न बिकने की वजह कुछ और भी हो। इतिहास गवाह है कि अंडरवर्ल्ड से जुड़ी प्रॉपर्टी लोग सरगनाओं के डर और कानूनी झमेलों से बचने के लिए भी नहीं खरीदते हैं।

दाऊद की मुंबई में कुछ संपत्तियों की कई बार नीलामी हुई। प्रारंभ में किसी ने दिलचस्पी नहीं ली, लेकिन बाद में कुछ ट्रस्ट प्रबंधन की तरफ से यह संपत्तियां खरीदी गईं। कई पुलिस वाले जब-तब यह सलाह देते रहे हैं कि अंडरवर्ल्ड की ऐसी संपत्तियों को सरकार को नीलाम न करके वहां सरकारी दफ्तर बना लेने चाहिए।

मुंबई से अहमदाबाद तेजस जनवरी से

मुंबई। दिल्ली और लखनऊ के बीच प्राइवेट ट्रेन चलाने के बाद अब रेलवे 14 जनवरी के आसपास मुंबई और अहमदाबाद के बीच प्राइवेट ट्रेन शुरू करने जा रही है। 14 जनवरी यानि मंकर सक्रांति के आसपास गुजरात में अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव शुरू होता है। इसे ध्यान में रखते हुए प्राइवेट ट्रेन की शुरूआत करने की योजना बनाई गई है। आईआरसीटीसी के चेयरमैन और एमडी एम.पी. मल्ल के मुताबिक, इस दिशा में तेजी के साथ काम किया जा रहा है। दरअसल पतंग महोत्सव के दौरान काफी लोग मुंबई और महाराष्ट्र के अलावा कई राज्यों और दुनिया के तमाम देशों से अहमदाबाद जाते हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस प्राइवेट ट्रेन के जरिए मुंबई से अहमदाबाद आने-जाने का सफर लोगों के लिए बेहद यादगार रहेगा। यह ट्रेन केवल दो स्टेशनों- वडोदरा और सूरत पर रुकेगी। अहमदाबाद से सुबह चलकर दोपहर में मुंबई पहुंचेगी और मुंबई से शाम को चलकर रात में अहमदाबाद पहुंचेगी।

मुंबई की बहनों का 'आविष्कार', ब्लू सिग्नल लाइट से कम होगा पलूशन

मुंबई। ट्रैफिक सिग्नल्स पर रेड लाइट होने के बाद लोग अपनी गाड़ियां बंद नहीं करते और हरी बत्ती होने का इंतजार करते हैं। इस दौरान गाड़ियों का फ्यूल बेकार जलता ही है, साथ ही गाड़ियों से निकलने वाले धुएं से प्रदूषण में बढ़ोतरी ही होती है। ऐसे में फ्यूल और पर्यावरण बचाने की कोशिश के मद्देनजर घाटकोपर की रहने वाली दो बहनों ने एक नायाब तरीका खोज निकाला है। शिवानी खोट और उनकी बहन ईशा खोट ने एक नीले रंग का ट्रैफिक लाइट बनाया है, जो न सिर्फ पलूशन कम करने में मदद करेगा बल्कि फ्यूल भी बचाएगा। यह ब्लू ट्रैफिक लाइट सिग्नल पर लाल बत्ती होने के 10 सेकंड बाद ब्लिंक करना शुरू कर देगा और लाल बत्ती बंद होने से 10 सेकंड पहले बंद हो जाएगा। यह गाड़ियों के मालिकों और ड्राइवर्स के लिए एक संकेत होगा, जिसकी मदद से वह लाल बत्ती के दौरान अपनी गाड़ियां बंद रखेंगे। इससे न सिर्फ फ्यूल की बचत होगी बल्कि पलूशन भी कम होगा।

पालघर में रेती माफिया का दुस्साहस, एसपी को डंपर से कुचलने की कोशिश

विरार। विरार पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कनेरे स्थित खार्डी रेती बंदर पर अवैध खनन पर रविवार देर रात कार्रवाई करने गए पालघर एसपी पर रेती माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में एसपी गौरव सिंह और उनके साथ मौजूद दो पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। उन्हें डंपर से कुचलने की कोशिश की गई। इस हमले को लेकर विरार पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

कहा जा रहा है कि विरार पुलिस के सरंक्षण में ही रेती माफिया अवैध खनन कर रहे थे। रविवार रात रेती बंदर पर अचानक एसपी के जाने के बाद मामले की पोल खुल गई। हालांकि हमले के बाद मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसबल पहुंच गया और सोमवार सुबह तक माफिया पर कार्रवाई की गई। पुलिस की इस कार्रवाई में 15 जेसीबी और दो डंपर जब्त किए गए हैं। साथ ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस धारा 307, 379, 353, 413, 431, 34,

पर्यावरण अधिनियम 14,15 19 के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। एसपी ने मामले में लिप्त पुलिसकर्मियों पर भी कार्रवाई की बात कही है।

अचानक की कार्रवाई

रविवार रात एसपी गौरव सिंह पुलिस स्टेशन को बिना सूचित किए बॉडीगार्ड और ड्राइवर के साथ खार्डी रेती बंदर पहुंच गए। उस वक्त वहां बड़े पैमाने पर रेती खनन हो रहा था। एसपी की गाड़ी देख माफिया भागने लगे। इस दौरान, एक डंपर क्रमांक टल्ल 04 ऋख 3221 के चालक ने एसपी और उनके साथ मौजूद दो पुलिसकर्मियों पर डंपर चढ़ाने की कोशिश की। मामले की सूचना विरार पुलिस को दी गई। सूचना के बाद वहां भारी संख्या में पुलिसबल तैनात किया गया। नीरज लाल यादव, अनिल तुकाराम चव्हाण व सुनील इंद्रजीत चव्हाण को गिरफ्तार किया गया है।

रोक के बाद भी खनन

खार्डी जिले का सबसे बड़ा रेती बंदर है। पिछले कुछ सालों से यहां प्रशासन ने रेती खनन पर रोक लगा रखी है। लेकिन, महसूल विभाग और पुलिस की मिलीभगत से यहां बड़े पैमाने पर अवैध रूप से खनन किया जा रहा है। रेती माफिया अधिकारियों को मोटी रकम पहुंचा देते हैं और यहां रातभर सैकड़ों ट्रक रेती निकाली जाती है।

महाराष्ट्र में सरकार गठन पर बोले संजय राउत, सारी बाधाएं दूर कल तक बड़ी खबर

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार बनाने को लेकर सस्पेंस किसी फिल्मी कहानी की तरह जारी है। आज एनसीपी प्रमुख शरद पवार के पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की अटकलों के बीच शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि कल तक सभी बाधा दूर हो जाएगी। राउत ने आज मीडिया से बात करते हुए कहा कि सभी बाधाएं खत्म हो गई है और कल तक स्थिति साफ हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि बैकडोर से शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस के बीच बातचीत जारी है और अब यह लगभग फाइनल हो चुकी है।

महाराष्ट्र में सरकार गठन की अटकलों पर शिवसेना प्रवक्ता ने कहा, 'प्रदेश में सरकार बनने के करीब है। सभी बाधाएं दूर हो गई हैं और कल दोपहर तक आपको पता चल जाएगा। हम जल्द राज्यपाल से मिलने जा रहे हैं और 5-6 दिनों में सभी औचपारिकता पूरी हो जाएगी।'

मीडिया से बात करते हुए शिवसेना प्रवक्ता ने सरकार बनाने के लिए डेडलाइन का भी ऐलान कर दिया। उन्होंने पवार और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर जारी अटकलों पर भी विराम लगाने की कोशिश की। राउत ने दो टूक अंदाज में कहा कि पार्टी के अंदर एनसीपी से गठबंधन को लेकर कोई हिचक नहीं है।

शिवसेना चुनाव नतीजों के बाद से ही मुख्यमंत्री पद के लिए अड़ी हुई है। राज्यसभा में पीएम मोदी ने एनसीपी के अनुशासन की तारीफ की थी और इस बीच आज एनसीपी प्रमुख पीएम से मुलाकात कर रहे हैं। शिवसेना प्रवक्ता ने इस मुलाकात पर जारी अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश करते हुए कहा, 'क्या प्रधानमंत्री से मुलाकात का मतलब हमेशा कोई खिचड़ी पक रही है होता है? शरद पवार किसानों के लिए लड़नेवाले बहुत बड़े नेता हैं। उनकी पीएम मोदी से मुलाकात का कोई और अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए।'

34 जिला परिषद अध्यक्षों की लॉटरी

मुंबई। राज्य की सभी 34 जिला परिषदों के अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को मंत्रालय में लॉटरी निकाली गई। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार की अध्यक्षता में निकाली गई लॉटरी में रत्नागिरी, नाशिक, सातारा सहित 8 जिला परिषदों के लिए अध्यक्ष पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित हैं। लातूर जिला परिषद अध्यक्ष पद पिछड़ा वर्ग तो सोलापुर और जालना जिला परिषद का अध्यक्ष पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित रहेगा। यह लॉटरी महाराष्ट्र जिला परिषद व पंचायत समिति अधिनियम, 1961 के अनुसार निकाली गई। लॉटरी निकालते समय वर्ष 2011 की जनगणना को आधार बनाया गया। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण देते समय जिले के ग्रामीण क्षेत्र की जनसंख्या को आधार बनाया गया है।

सर्वे में खुलासा: आरे में ट्रांसप्लांटेड 64 पर्सेंट पेड़ सूखे, पर्यावरणप्रेमी आक्रोशित

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देश पर मंगलवार को आरे कॉलोनी में ट्रांसप्लांटिड पेड़ों का सर्वे किया गया, जिसमें पाया गया कि 64 प्रतिशत पेड़ सूख चुके हैं। यह जानकारी मिलने के बाद पर्यावरणप्रेमियों में रोष व्याप्त हो गया है। सर्वे में शामिल हुए पर्यावरणप्रेमी और सेव आरे की लड़ाई लड़ने वाले जोरू बथेना ने कहा कि ट्रांसप्लांटेशन के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है।

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) की ओर से पेड़ लगाने और ट्रांसप्लांट करने के नाम पर लोगों के साथ मजाक हुआ है। ट्रांसप्लांट किए गए पेड़ों की गिनती तो की जा रही है, लेकिन प्रशासन को यह फिक्र नहीं है कि इनमें से कितने पेड़ सूखने से बच पाए हैं। पर्यावरणप्रेमियों ने 2017 में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका डालकर आरे में ट्रांसप्लांट हुए पेड़ों की स्थिति की जानकारी चाही थी।

इसके बाद एक समिति तैयार की गई, जिसमें पर्यावरणप्रेमी और एमएमआरसीएल के लोग शामिल किए गए। मंगलवार को आरे कॉलोनी में 2017 से अब तक सात जगहों पर ट्रांसप्लांट किए गए 1060 पेड़ों का सर्वे किया गया। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, 1060 पेड़ों में से 680 यानि 64 प्रतिशत पेड़ सूखे पाए गए। पर्यावरणप्रेमी और वनशक्ति के निदेशक स्टेलिन डी का कहना है कि पेड़ों को ट्रांसप्लांट करने का दावा सिर्फ धोखा है। ट्रांसप्लांटेशन के नाम पर केवल खानापूर्ति ही होती है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्र में सरकार पर सस्पेंस से टेंशन में उद्धव, विधायकों की छुपाने की जुगत में शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र में बीजेपी से अलग होने के बाद शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की सरकार बनने पर सस्पेंस बढ़ता ही जा रहा है। सरकार बनने में देरी की वजह से सबसे ज्यादा झटपटाहट शिवसेना खेमे में है। चर्चा है कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे एक बार फिर अपने विधायकों को किसी अज्ञात स्थान में भेजने की तैयारी कर रहे हैं। दूसरी ओर, महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए शरद पवार के दांव में कांग्रेस उलझकर रह गई है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी शिवसेना-एनसीपी के गठबंधन को बाहर से समर्थन देना चाहती है जबकि पवार का रुख है कि जब तक कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं होगी, वह सरकार नहीं बनाएंगे।

शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को अपनी पार्टी के विधायकों की बैठक बुलाई है। सरकार बनने में देरी की वजह से विधायकों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। समझा जा रहा है कि उद्धव अपने विधायकों को फिर किसी अज्ञात स्थान पर भेजने या विधायकों को एकसाथ रखने की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी की तरफ से विधायकों को पांच दिन के कपड़े और आधार कार्ड, पैन कार्ड साथ में लाने को कहा गया है, ताकि अगर

राज्यपाल के सामने विधायकों की पहचान परेड करानी पड़े, तो मुश्किल न हो।

राउत ने शेयर की अटल की कविता

शिवसेना नेता संजय राउत ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कविता साझा की है, जिसे महाराष्ट्र की वर्तमान सियासी हलचल से जोड़कर देखा जा रहा है। इस बार उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता शेयर की है। उन्होंने लिखा, 'आहुति बाकी, यज्ञ अधूरा, अपनों के विघ्नों ने घेरा, अंतिम जय का वज्र बनाने, नव दधीचि हड्डियां गलाएं। आओ फिर से दिया जलाएं।' पिछले कई दिनों से रोज कविता या शायरी के जरिए महाराष्ट्र की सियासी तस्वीर बयां कर रहे हैं।

एनसीपी के दांव में उलझी कांग्रेस

महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने जो दांव खेला है, उसमें कांग्रेस उलझकर रह गई हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी शिवसेना के साथ बनने वाली किसी भी सरकार में कांग्रेस को शामिल करने के पक्ष में नहीं है, हालांकि वह सरकार को बाहर से समर्थन देने को तैयार हैं। दरअसल सोनिया को डर है कि कहीं महाराष्ट्र के चक्कर में देशभर में अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस से दूर न हो जाएं। पवार का रुख हैं कि अगर कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं होगी, तो वह सरकार नहीं बनाएंगे।

किसानों की हाय मत लो- सामना

इस बीच, शिवसेना ने एक बार अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय के जरिए किसानों को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। सामना के संपादकीय पेज में लिखा गया है कि किसानों की हाय मत लो। बेमौसम बरसात की वजह से किसानों की फसलें नष्ट हो गईं। किसान लगातार आत्महत्या कर रहे हैं। इसमें आगे कहा गया है कि राष्ट्रपति शासन की सरकार ने अभी तक बरसाती अकाल घोषित नहीं किया है, इसके अलावा राज्यपाल ने जो मदद घोषित की है वो इतनी कम है कि उससे किसानों को किसी भी प्रकार का ढाढस नहीं मिला है।

बीजेपी सांसदों के साथ पवार की तस्वीर वायरल

महाराष्ट्र में सरकार के सस्पेंस के बीच एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के निवास पर हुई डिनर पार्टी की एक तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें बीजेपी के चार सांसद दिखाई दे रहे हैं। इसमें सांसद नीरज शेखर, दुष्यंत सिंह, शिवकुमार उदासी और निशिकांत दुबे नजर आ रहे हैं। इससे तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

हालांकि आपको बता दें कि यह तस्वीर पिछले साल मार्च महीने की है। दरअसल, पिछले साल मार्च में पवार की बेटी सुप्रिया सुले की बेटी के जन्मदिन मनाया गया था जिसमें बीजेपी के सांसद भी शामिल हुए थे। सुप्रिया सुले ने खुद ये तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर से शेयर की थी।

वर्षा: खाली नहीं किया बंगला तो देना होगा मोटा किराया

मुंबई। मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग हुए बीजेपी-शिवसेना के पूर्व मंत्रियों को मलबार हिल और मंत्रालय के सामने मिले सरकारी बंगलों को 27 नवंबर तक खाली करना पड़ेगा। यदि पूर्व मंत्रियों ने तय समय सीमा के भीतर आवंटित बंगला खाली नहीं किया तो उन्हें प्रतिदिन के हिसाब से 25 रुपए प्रतिवर्ग फुट की दर से किराया भरना पड़ेगा।

सामान्य प्रशासन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि वर्षा बंगले में रहने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तीन महीने के लिए एक्सटेंशन देने के संबंध में उनके पास कोई आवेदन नहीं आया है। इससे वर्षा बंगले के एक्सटेंशन पर सस्पेंस बढ़ गया है। अगर पूर्व मुख्यमंत्री को एक्सटेंशन नहीं दिया गया और वे उसमें रहते हैं तो उन्हें हर महीने 90 लाख रुपये किराए के रूप में चुकाने पड़ेंगे।

मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद 15 दिनों के भीतर मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों को बंगले खाली करने पड़ते हैं। देवेंद्र फडणवीस ने 8 नवंबर को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। इस हिसाब से उन्हें 23 नवंबर तक सरकारी बंगला खाली कर देना चाहिए था।

सामान्य प्रशासन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि 8 नवंबर को इस्तीफा देने के बावजूद फडणवीस कार्यकारी मुख्यमंत्री थे।

राज्य में 12 नवंबर को राष्ट्रपति शासन लगने के बाद वह कार्यकारी मुख्यमंत्री भी नहीं रहे। राष्ट्रपति शासन रात में लगा, इसलिए 13 नवंबर को मंत्रियों को मंत्रालय स्थित कार्यालय खाली करने को कहा गया। इसी आधार पर अब 27 नवंबर तक पूर्व मंत्रियों को अपने बंगले खाली करने होंगे। इस संबंध में सरकार ने 1 मार्च 2014 को एक शासनादेश जारी किया था, जिसमें इसके लिए गाइडलाइन है।

मुख्यमंत्री के लिए बना वर्षा बंगला 12000 वर्ग फुट में फैला है। इसी तरह वहां सेवा सदन, देवगिरि, मुक्तागिरि, रॉयल स्टोन, तोरणा, सागर और रामटेक, चित्रकूट, पर्णकुटी, सागर, नंदनवन, शिवनेरी और ज्ञानेश्वरी सहित कई और बंगले हैं। यह बंगले भी कई हजार फुट वर्ग में फैले हैं। यदि किसी पूर्व मंत्री ने तय समय सीमा के भीतर अपना बंगला खाली नहीं किया तो उन्हें किराए के रूप में बड़ी राशि चुकानी पड़ेगी।

देवेंद्र फडणवीस सरकार में कुल 42 मंत्री थे, जिनमें 25 कैबिनेट और 18 राज्य मंत्री थे। इनमें से ज्यादातर कैबिनेट मंत्रियों का बंगला मलबार हिल के पॉश इलाके में है, जबकि राज्य मंत्रियों को मंत्रालय के सामने बंगले आवंटित किए गए थे। 13 नवंबर को निर्देश मिलने के बाद राज्य मंत्रियों ने अपने बंगले खाली करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गौरतलब है कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने 12 नवंबर को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की केंद्र सरकार से सिफारिश की थी, जिसके बाद से राष्ट्रपति शासन लागू है।

पीएमसी बैंक को मर्ज करो या पैकेज दोः कांग्रेस

मुंबई। मुंबई कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की और मांग की कि पीएमसी बैंक को या तो किसी बड़े बैंक में विलय कर दिया किया जाए अथवा पीएमसी बैंक को भी राष्ट्रीयकृत बैंकों की तरह रिवाइवल पैकेज दिया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मांग की कि पीएमसी बैंक के लाखों खाताधारकों की समस्याओं को राज्यपाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताएं और इस तत्काल समाधान दें।

इस बारे में जानकारी देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष एकनाथ गायकवाड ने बताया कि जब से आरबीआई ने पीएमसी बैंक पर प्रतिबंध लगाया है, तब से बैंक के 16 लाख खाताधारकों और उनके परिवारों की हालत खराब है। सभी पैसे-पैसे के लिए मोहताज हैं। अब तक 11 खातेदारों की मृत्यु हो चुकी है। लाखों लोग मुश्किलों में जी रहे हैं, परंतु अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है। इसलिए हमने राज्यपाल से मांग की है कि पीएमसी बैंक के खाताधारकों की तमाम समस्याओं को राज्यपाल स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखें और और लोगों की इस मांग से अवगत कराएं कि पीएमसी बैंक का या तो किसी बड़े बैंक में विलय कर दिया जाए अथवा जिस तरह राष्ट्रीयकृत बैंकों को रिवाइवल पैकेज दिया जाता है उसी तरह का पैकेज पीएमसी बैंक को दिया जाए ताकि खाताधारकों को उनका पैसा मिल सके। प्रतिनिधि मंडल में मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एकनाथ गायकवाड, विधायक जिशान सिद्दिकी पूर्व विधायक भाई जगताप, पूर्व विधायक चरण सिंह सप्रा समेत मुंबई कांग्रेस के पदाधिकारी शामिल थे।

पीएमएसी बैंक के सैंकडों खातेदारों ने मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन किया। वे लोग भारतीय रिजर्व बैंक के अब तक की ढुलमुल रवैये से नाराज थे और उसके खिलाफ नारे लगा रहे थे। यह प्रदर्शन करीब दो घंटे तक चला। पुलिस ने बैंक के बाहर व्यापक बंदोबस्त किया था। मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में इस केस की सुनवाई थी। इसीलिए खातेदार सुबह से ही वहां आ गए थे।

ऑइलिंग ने सुधारी हार्बर लाइन की 'सेहत', अब लंबा नहीं खिंचेगा यात्रियों का इंतजार!

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की लोकल ट्रेनें अगर शहर की लाइफलाइन हैं, तो सीधी सी बात है कि इनकी सेहत भी गड़बड़ होती ही होगी। वैसे, लोकल ट्रेनों की सेहत सबसे ज्यादा हार्बर लाइन पर बिगड़ती है। ऐसे में इसे सुधारने के लिए मध्य रेलवे ने ट्रेन के पहियों पर तेल की धार छोड़नी शुरू कर दी है। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि आपके घुटनों की तरह हार्बर लाइन पर ट्रेन के चक्के भी बहुत ज्यादा घिसने लगे थे। इस तरह बीमार पड़ी ट्रेन के चक्के बार-बार बदलने पड़ते थे। इस प्रक्रिया में बेचारे मुंबईकरों को ट्रेनों पर ज्यादा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब तेल वाले जुगाड़ (ऑइलिंग) के बाद मुंबईकरों का इंतजार कुछ कम हुआ है। हार्बर लाइन पर ट्रेनों की सेहत में भी 40 प्रतिशत सुधार आया है।

मध्य रेलवे के पास हार्बर और ट्रांसहार्बर लाइन मिलाकर कुल 52 रेक हैं। इन्हीं से रोजाना लाखों यात्रियों को सेवाएं मुहैया कराई जाती हैं। इन्हीं 52 में से किसी न किसी एक रेक के चक्के हर दो-तीन दिन बाद बदलने पड़ते थे। ऐसा इसलिए होता था, क्योंकि पटरियों पर ज्यादा मोड़ होने के कारण हार्बर लाइन पर चलने वाली ट्रेनों के पहिए जल्द घिस जाते थे। इस समस्या का समाधान पहिए बदलकर ही होता था। आमतौर पर दूसरे सेक्शन में चलने वाली ट्रेनों के साथ यही काम हर 18 महीने बाद होता है। सीएसएमटी से चली किसी ट्रेन के पहियों में आवाज आने या गड़बड़ी होने के बाद उसे वाशी से सानपाडा कारशेड ले जाया जाता है। अगर, उस ट्रेन को वाशी से सीएसएमटी लौटने की योजना बनी हो, तो वह अटक जाती थी। ऐसे में, सानपाडा कारशेड से दूसरा रेक वाशी स्टेशन लाया जाता, ताकि उसे सीएसएमटी तक भेजा जा सके। इस पूरी प्रक्रिया में यात्रियों को 20-25 मिनट तक इंतजार करना पड़ता था। कई बार ट्रेन रद्द करनी पड़ती थी। नए जुगाड़ के बाद इस तरह की घटनाओं में 40 प्रतिशत तक कमी आई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जेएनयू विवाद

एक बार फिर जवाहरलाल नेहरू विविद्यालय (जेएनयू) सुर्खियों में है। इस बार छात्र फीस में बढ़ोतरी और हॉस्टल के सख्त नियमों के खिलाफ हैं। छात्रों का यह आंदोलन तीन हफ्ते से जारी है। सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरू आत पर उन्होंने संसद मार्च का कार्यक्रम अपनाया तो यह बड़ी सुर्खी बन गई। इस दौरान पुलिसिया कार्रवाई पर भी सवाल उठे। कई छात्र घायल भी हुए। वैसे, पुलिस किसी तरह की जोर आजमाइश से इनकार कर रही है लेकिन यह भी सही है कि छात्रों को संसद तक अहिंसक तरीके से मार्च करने के लोकतांत्रिक अधिकारों का सिर्फ सुरक्षा के आवरण में खारिज नहीं किया जाना चाहिए। इसके इतर, खासकर टीवी और सोशल मीडिया में यह बहस भी छिड़ी कि जेएनयू में इतनी सस्ती फीस कितनी जायज है? शायद तर्क यह है कि बाकी जगह फीस अधिक है तो जेएनयू को यह सुविधा क्यों मिलनी चाहिए? जेएनयू के छात्रों की दलील है कि यह कोई सामान्य शिक्षा संस्थान नहीं है क्योंकि यहां देश भर के उन समुदायों के छात्रों को प्रतिभा और गुणवत्ता के आधार पर उच्च शिक्षा का मौका मिलता है, जिनकी आर्थिक हालत उच्च शिक्षा का खर्च उठाने के लायक नहीं है। खासकर कुछ एकदम हाशिए के समुदायों और वगरे के विद्यार्थी भी अपनी प्रतिभा के बल पर यहां पहुंचते हैं। फिर, यहां का रिकॉर्ड भी ऐसा है कि दुनिया भर में ख्यात विद्वान, बड़े नेता, अफसरशाह किसी और विविद्यालय की तुलना में यहां से अधिक निकले हैं। इसलिए यकीनन माना जा सकता है कि जेएनयू कुछ विशेष है और इसे औरों की तरह बनाने के बदले दूसरों को उसकी तरह बनाने की दरकार है, ताकि देश में शिक्षा की स्थिति सुधरे। विविद्यालय प्रशासन ने फीस बढ़ोतरी को कुछ घटाया जरूर है लेकिन छात्रों की मांग है कि बढ़ोतरी पूरी तरह खत्म हो। इसी तरह हॉस्टल में आने-जाने और अन्य गतिविधियों पर कुछ पाबंदियां जड़ दी गई हैं। छात्रों को इसे स्वतंत्र महौल पर अंकुश की आशंका है। दरअसल, जेएनयू लंबे समय से विभिन्न राजनैतिक और प्रतिकूल वजहों से सुर्खियों में है लेकिन जरूरी यह है कि वहां शांति, स्वतंत्रता का माहौल स्थायी हो। यहां यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि फीस और हॉस्टल के मुद्दों पर अतीत में कई छात्र आंदोलन ऐसे हुए हैं, जिनसे राजनीति की धारा बदल गई है। इसलिए इस संवेदनशील विषय पर दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर सोचने की दरकार है।

चिंता में न पड़े भारत

श्रीलंका में राजपक्षे बंधुओं-गोटबाया के राष्ट्रपति निर्वाचन और उनके भाई महिंदा की प्रधानमंत्री पद पर निश्चित नियुक्ति-का सत्ता में लौटना एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम है। इससे बेशक, श्रीलंका की राजनीति और भू-राजनीतिक स्थिति में बदलाव होगा लेकिन भारत को इस घटनाक्रम से बेवजह चिंतित होने की जरूरत नहीं है। गोटबाया ने राष्ट्रपति पद के लिए अपना अभियान मोदी की शैली में चलाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अभियान के दौरान चुनावी योद्धा की जिस तरह अपनी बेजोड़ शैली में विरोधियों को निहत्थे कर दिया था, ठीक उसी अंदाज में अभियान चलाते हुए गोटबाया ने अपने विरोधियों पर बढ़त ली। गोटबाया की विजय मोदी की भांति ही बहुलवाद की जीत है। मोदी की तरह ही उन्होंने बड़ी कुशलता के साथ अपना चुनाव अभियान दो पहलुओं पर केंद्रित रखा : इस द्वीपीय राष्ट्र में दो करोड़ बीस लाख मतदाताओं का 70 प्रतिशत हिस्सा रखने वाले सिंहली बौद्धों के कल्याण के लिए की बात कही; और दूसरा, 21 अप्रैल को ईस्टर आतंकी हमले के मद्देनजर बार-बार राष्ट्रीय सुरक्षा की बात कही। इस हमले में करीब तीन सौ लोगों को जान गंवानी पड़ी थी। मोदी की भांति ही गोटबाया ने भी मतदाताओं का सफलतापूर्वक ध्रुवीकरण किया और मुस्लिम और तमिलों की मौजूदगी के बावजूद विजयी हुए। गौरतलब है कि देश के कुल मतदाताओं में मुस्लिमों और तमिल मतदाताओं का हिस्सा 25 प्रतिशत के करीब है। माना जा रहा है कि इन दोनों वगरे के मतदाताओं ने एकजुट होकर गोटबाया के खिलाफ वोट किया था। पच्चीस प्रतिशत मतदाताओं की पूरी तरह खिलाफत के बावजूद गोटबाया जैसे राजनेता की करिश्माई जीत वास्तव में हैरत में डाल देती है। लेकिन तय यह है कि उनके लक्षित मतदाता बहुसंख्यक सिंहली बौद्ध थे, जो देश के कुल मतदाताओं का 70 प्रतिशत हिस्सा हैं। खबरें ये भी हैं कि जहां बहुसंख्यक सिंहली बौद्ध मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लिया वहीं अल्संख्यक मतदाता तमिल और मुस्लिम मतदाताओं ने उस तरह का उत्साह नहीं दिखाया। इसलिए हैरत की बात नहीं कि उन्होंने अपने निकटतम राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी साजिद प्रेमदास के मुकाबले दस प्रतिशत ज्यादा मत हासिल किए हैं। गोटबाया 2009 में श्रीलंका के रक्षा सचिव थे। उस समय उनके भाई एवं उस समय

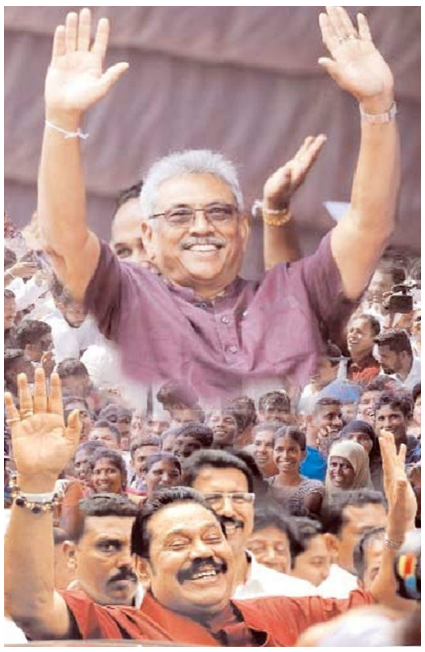

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने उन्हें खुली छूट दी थी, जिसके चलते वे लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल इलम (लिट्टे) की बर्बरता से कमर तोड़ने में सफल हुए। इस कारण से उनकी छवि 'टर्मिनेटर' के रूप में उभरी। यह अलग बात है कि वह और उनके भाई महिंदा राजपक्षे को आज भी युद्धअपराधों के गंभीर मामलों और मानवीयता के खिलाफ अपराधों, जिनमें हजारों तमिलों का संहार और बहुतों को भयाक्रांत कर दिया गया था, के लिए दोषी माना जाता है।

ये मामले अभी भी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के समक्ष लंबित पड़े हैं, जहां भारत पारंपरिक तौर पर उनका जमानतदार है। अनेक में से एक कारण यह भी है कि राजपक्षे बंधु भारत को कभी नाराज नहीं करना चाहेंगे। चीन के प्रति झुकाव रखने वाले राजपक्षे बंधुओं के बरक्स भारत की यह बीमा पॉलिसी है। यह भी बड़ा कारण है कि भारत की कीमत पर राजपक्षे बंधु चीन को खुश करने के मामले में ही हद में ही रहेंगे। गोटबाया की शानदार चुनावी जीत के बाद उनके उत्साही झंडाबरदारों को भारत के लिए चिंताजनक स्थिति जैसी बात नहीं कहनी चाहिए। पिछले राष्ट्रपति चुनाव में गोटबाया के भाई महिंदा राजपक्षे की अपने निवर्तमान रक्षा मंत्री मैत्रीपाला सिरीसेना के हाथों हैरत भरी शिकस्त के बावजूद रणनीतिक अर्थों में भारत के लिए अभी भी श्रीलंका के राजनीतिक पटल पर भारत के लिए सकारात्मक हालात हैं। भारत की ओर झुकाव रखने वाले सिरीसेना ने चीन बनाम भारत मुकाबला के अंदाज में लड़े गए चुनाव में महिंदा राजपक्षे को हराकर हैरत में डाल दिया था। भारत-समर्थक सिरीसेना के हाथों महिंदा राजपक्षे को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन उस हार से चीन को न तो कुछ खोना पड़ा और न ही श्रीलंका की राजनीतिक-सामरिक जमीन पर उसका जमाल फीका पड़ा। इसी तरह अब गोलबाया की विजय के बावजूद भारत को परिदृश्य से बाहर नहीं किया जा सकेगा। दूसरे शब्दों में जैसे श्रीलंका के तत्कालीन राजनीकि-सामरिक परिदृश्य में चीन प्रासंगिक बना रहा तो उसी तरह अब भारत भी श्रीलंका में महत्त्वपूर्ण भूमिका में बना रहेगा। बेवजह नहीं है जो गोटबाया ने भारत के मनभाते भविष्योन्मुखी बयान दिए हैं। उन्होंने भारत को 'सबसे करीबी मित्र' बताते हुए कहा है कि वह जानते हैं कि बड़ी संख्या में लोगों ने उनके खिलाफ वोट किया है, लेकिन वह सभी श्रीलंकावासियों के कल्याण के लिए कार्य करेंगे। मोदी के राजनीतिक चिंतन-सबका साथ, सबका विकास-से भी वह प्रेरित हैं। लेकिन महत्त्वपूर्ण नहीं है कि श्रीलंका में वैसा होता है, या नहीं।

शब्दों का आशय होता है। श्रीलंका जैसे बेहद ध्रुवीकृत समाज में तो सकारात्मक शब्द अपना अर्थ रखते हैं। गोटबाया ने द्रोणाचार्य कहे जाने वाले मोदी का स्वयं को एकलव्य साबित किया है। फिर, एक अन्य कारण भी है कि राजपक्षे बंधु-गोटबाया और महिंदा-मनमानी क्यों नहीं कर सकेंगे? भारत की कीमत पर चीन की गोदी में क्यों नहीं बैठ सकेंगे? वह कारण है श्रीलंका की अर्थव्यवस्था जो बेहद कमजोर स्थिति में है, और जिसकी मौजूदा वृद्धि दर बेहद निराशाजनक 1.6 प्रतिशत है। पर्यटन श्रीलंका के लिए राजस्व हासिल करने का प्रमुख क्षेत्र है। 21 अप्रैल के आतंकी हमले से इस क्षेत्रको करारा झटका लगा है। श्रीलंका के पर्यटन क्षेत्रमें भारत प्रमुख योगदान करने वालों में शीर्ष स्थान पर है। जहां तक चीन की बात है, तो श्रीलंका के मामले में अनेक नकारात्मक बातें भी हैं। बेशक, चीन श्रीलंका का सबसे बड़ा विदेशी दानदाता है, और इस द्वीपीय देश में दस बिलियन डॉलर से ज्यादा निवेश कर चुका है। लेकिन वह खतरनाक देश भी है क्योंकि कर्ज में फांस लेता है।

अयोध्या फैसले को चुनौती देने का क्या मतलब है?

हैरानी है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने अयोध्या फैसले को नामंजूर करते हुए उसके खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने का निर्णय लिया। यह जानते हुए भी अयोध्या फैसले को चुनौती देने का क्या मतलब कि इससे कुछ हाथ लगने वाला नहीं है? फिर भी इसके आसार फैसले के दौरान छन - छन के आ रहे थे। मुस्लिम नेता पहले यह कह रहे थे कि जो भी फैसला आएगा वह उन्हें स्वीकार होगा वे बाद में उसे अस्वीकार करने के लिए तरह-तरह के बहाने गढ़ने लगे। निःसंदेह किसी भी मामले में पुनर्विचार याचिका दायर किया जाना एक अधिकार है। यदि अयोध्या मामले के पक्षकार इस अधिकार का इस्तेमाल करना चाहते हैं तो इसमें हर्ज नहीं, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक तो प्रमुख पक्षकार इकबाल अंसारी फैसले को चुनौती देने की जरूरत नहीं समझ रहे और दूसरे, जो लोग उनसे अलग रास्ता पकड़ रहे हैं वे यह भली-भांति जान रहे हैं कि अब कुछ हासिल होने वाला नहीं है। इसकी एक बड़ी वजह यही है कि अयोध्या मामले में पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने अपना फैसला सर्वसम्मति से सुनाया। आखिर यह जानते हुए भी अयोध्या फैसले को चुनौती देने का क्या मतलब कि इससे कुछ हाथ लगने वाला नहीं है? यह केवल समय की बबार्दी ही नहीं, बल्कि कलह के रास्ते पर जानबूझकर चलने की कोशिश भी है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड एक बार फिर हठधर्मी दिखाने पर तुल गया है, इसका पता उसके नेताओं के इस बयान से चलता है कि शरई कानून के मुताबिक मस्जिद की जमीन किसी और को नहीं दी जा सकती। वे अयोध्या में पांच एकड़ जमीन लेने से भी इन्कार कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अयोध्या में तो पहले से ही 27 मस्जिदें हैं। क्या इसका यह मतलब नहीं कि वे बाबर के नाम पर बनाई गई मस्जिद को हासिल करने की ललक दिखा रहे हैं?अगर ऐसा नहीं है तो फिर उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर हिंदू ढांचे पर बनी बाबरी मस्जिद इन 27 मस्जिदों से अलग और विशिष्ट कैसे थी? ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अपनी जिद पूरी करने या फिर खुद को पीड़ित दिखाने के लिए अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करने को स्वतंत्र है, लेकिन वह याद रखे तो बेहतर कि भारतीय मुस्लिम समाज को आक्रमणकारी बाबर से जोड़ना उसका अपमान करना है।

अशोक भाटिया

आयकरः छापों में इस साल जब्त रकम में 2000 के नोटों की सिर्फ 43% हिस्सेदारी, 2 साल पहले 68% थी

2000 के नोटों की सप्लाई घटने और बंद होने की आशंका इसकी वजह हो सकती है

संवाददाता

नई दिल्ली। सरकार के मुताबिक आयकर छापों में जब्त रकम में 2000 के नोटों की हिस्सेदारी घट रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि वित्त वर्ष 2017-18 में आयकर के छापों में मिली रकम में 67.9% मुद्रा 2000 के नोटों के रूप में थी। बीते वित्त वर्ष (2018-19) में यह आंकड़ा 65.9% और चालू वित्त वर्ष (2019-20) में अब तक 43.2% रहा है। कालाधन छिपाने में बड़े नोटों का ज्यादातर इस्तेमाल होता रहा है, लेकिन इसमें कमी की वजह ये हो सकती है कि सरकार और आरबीआई सिस्टम में 2000 के नोटों की सप्लाई शायद कम कर दे। पिछली कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बात की आशंका भी है कि 2000 के नोटों को बंद किया जा सकता है। नोटबंदी के 3 साल पूरे होने पर आर्थिक मामलों के

पूर्व सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने कहा था कि 2000 के नोटों की जमाखोरी हो रही है, इन्हें बंद कर देना चाहिए। कालेधन पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी का ऐलान किया था। उस वक्त 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए गए। इसके बदले 500 का नया नोट जारी किया था। सरकार ने 1000 का नोट पूरी तरह हटा लिया और पहली बार 2000 का नोट जारी किया था। सिस्टम में अब 2000 के नोटों की सप्लाई घट रही है। मार्च 2017 में मौजूद नकदी में इन नोटों की संख्या 50% थी, ये अब घटकर 31% रह गई। सकुर्लेशन में मौजूद कुल नोटों में भी कमी आई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2018 में 6.7 लाख करोड़ की वैल्यू के नोट सिस्टम में थे, इस साल मार्च में ये आंकड़ा घटकर 6.6 लाख करोड़ रुपए रह गया।

वाचमैन ने पीट-पीट कर की थी कुत्ते की हत्या, कवि प्रदीप की बेटी ने दर्ज करवाई एफआईआर

मुंबई। पीट पीटकर कुत्ते की जान लेने वाले विलेपार्ले पश्चिम में स्थित शिवम सोसायटी के वाचमैन के खिलाफ दिवंगत गीतकार कवि प्रदीप की बेटी मितुल प्रदीप ने जुहू पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। उसके खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। जिस कुत्ते की हत्या की गई है उसका नाम लंगडू था। वह सोसायटी के पास ही वह रहता था। उसके आगे के पैर खराब हो गए थे। सोसाइटी के वाचमैन ने 13 नवंबर को लंगडू को बुरी तरह पीटा था, जिसमें उसकी मौत हो गई। मितुल के मुताबिक, इस घटना के चश्मदीद भी हैं और वाचमैन ने खुद भी माना है कि उसने सोसाइटी के लोगों के निर्देश पर कुत्ते को मारकर भगाया था। सोसाइटी के लोगों को लंगडू का परिसर के पास आना पसंद नहीं था। मितुल ने कहा कि जुहू जैसी हाई प्रोफाइल सोसाइटी में जहां पढ़े लिखे लोग रहते हैं, उम्रदराज और विकलांग कुत्ते के खिलाफ ऐसी क्रूरता हैरान करने वाली है। ऐसा बार-बार हो रहा है। अपने संबंधों और पैसे के दम पर लोग कार्रवाई से बच जाते हैं। लंगडू की याद में मितुल ने लोगों को कैंडल मार्च और मौन विरोध में भी शामिल होने की अपील की है। वहीं, सीनियर इंस्पेक्टर पंढरीनाथ वाह्वाल ने कहा कि शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। फिलहाल किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

एमटीएनएल के 13,500 कर्मचारियों ने वीआरएस के लिए किया आवेदन

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लि. (एमटीएनएल) की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के लिए 13,500 कर्मचारियों ने आवेदन किया है। कंपनी ने वीआरएस योजना की घोषणा हाल में की थी। अभी इस योजना को बंद होने में करीब दो सप्ताह का समय बचा है। बता दें कि एमटीएनएल की सेवाएं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में हैं। एमटीएनएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुनील कुमार ने बताया कि वीआरएस के लिए

काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। अब तक 13,532 कर्मचारी इसके लिए आवेदन कर चुके हैं। हमारा आंतरिक लक्ष्य 13,500 का था। कुमार ने भरोसा दिलाया कि इस योजना में जितना संभव होगा उतने कर्मचारियों को शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, वीआरएस के लिए आवेदन की तारीख समाप्त होने से पहले 14,500 से 15,000 कर्मचारी इसके लिए आवेदन करेंगे। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर कंपनी के 16,300 कर्मचारी इसके पात्र हैं। वहीं बीएसएनएल के मामले में अभी तक 77,000 कर्मचारी वीआरएस के लिए आवेदन कर चुके हैं। एमटीएनएल को पिछले दस में से नौ साल घाटा हुआ है। बीएसएनएल भी 2010 से घाटे में है। दोनों कंपनियों 40,000 करोड़ रुपये का कर्ज है। इसमें से आधा अकेले एमटीएनएल पर है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मोदी से मिले पवार

इतना ही नहीं, इससे आगे चर्चा यह भी है कि शरद पवार को 2022 के लिए राष्ट्रपति का पद भी ऑफर किया जा सकता है। बता दें कि महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों में शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महागठबंधन की सरकार बनाने की कवायद तेज हुई थी। हालांकि इस बीच शरद पवार ने यह बयान देकर कि सोनिया गांधी से सरकार बनाने को लेकर उनकी कोई चर्चा नहीं हुई है, नया सस्पेंस पैदा कर दिया। यही नहीं, पवार से जब यह पूछा गया कि शिवसेना के साथ सरकार बनने के क्या चांस हैं तो उन्होंने यहां तक कह दिया था कि'बीजेपी और शिवसेना से पूछो, दोनों साथ थे। उधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में एनसीपी के अनुशासन की तारीफ कर दी। इसके बाद से ही सियासी हलकों में नए समीकरण को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गईं। अब पीएम मोदी और पवार की मुलाकात के बाद यह चर्चा जोरों पर है कि महाराष्ट्र में नया सियासी समीकरण बन सकता है और संभव है कि एनसीपी-बीजेपी मिलकर सरकार बना लें। इन चर्चाओं पर विश्वास करें तो माना जा रहा है कि एनसीपी के कुछ सांसदों ने सरकार बनाने के लिए शरद पवार से बीजेपी के साथ जाने की अपील की है। ये नेता इसके लिए अजीत पवार को भी मनाने में जुटे हैं। चचाओं की मानें तो अगर एनसीपी सरकार बनाने के लिए बीजेपी से हाथ मिलाती है तो राज्य मंत्रिमंडल में तो उसे कई अहम पद मिलेंगे ही केंद्र में भी पार्टी को 3 अहम पद दिए जाएंगे। इतना ही नहीं वर्तमान राष्ट्रपति का कार्यकाल जुलाई 2022 में खत्म हो रहा है और इसके बाद बीजेपी की तरफ से पवार का नाम राष्ट्रपति के लिए आगे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि इन सबके बीच शिवसेना ने फिर दावा किया है कि महाराष्ट्र में उनकी ही सरकार बनेगी। शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि गुरुवार तक सभी बाधाएं दूर हो जाएंगी। राउत ने कहा, सभी बाधाएं खत्म हो गई हैं और कल तक स्थिति साफ हो जाएगी। उन्होंने पवार और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर जारी अटकलों पर भी विराम लगाने की कोशिश की। राउत ने दो टूक अंदाज में कहा कि पार्टी के अंदर एनसीपी से गठबंधन को लेकर कोई हिचक नहीं है।

राज्यसभा में बदली शिवसेना...

शिवसेना सांसद ने राज्यसभा के सभापति को लिखी चिट्ठी में कहा, जानकर हैरान हूं कि राज्यसभा में मेरी सीट बदलकर तीसरी से पांचवीं कतार में कर दी गई है। किसी ने यह फैसला जानबूझकर शिवसेना की संवेदना को चोट पहुंचाने और हमारी आवाज दबाने के लिए किया है। राउत ने पत्र में कहा कि अभी शिवसेना के एनडीए से अलग होने का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। ऐसे में यह फैसला समझ से परे है। उन्होंने इस कदम को राज्यसभा की गरिमा पर प्रहार बताया। राउत ने लिखा, मुझे इस अनपेक्षित कदम की वजह इसलिए भी समझ नहीं आई क्योंकि (शिवसेना को) एनडीए से हटाने की अभी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। इस फैसले से सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है। शिवसेना सांसद ने सभापति से दोबारा पहली, दूसरी या तीसरी पंक्ति में बैठने की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन पंक्तियों में किसी एक में उनके बैठने की व्यवस्था कर सदन की मयार्दा बरकरार रखी जाए।

'सोशल' होने का खतरा

परिणामस्वरूप साइबर क्राइम में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हालांकि, समय-समय पर मुंबई पुलिस जागरूकता अभियान एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिए इन हरकतों से दूर रहने के संदेश देती रहती है। मगर, युवाओं में सोशल मीडिया ऐप्स का नशा कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। लोकल ट्रेनों में मोबाइल के जरिए खतरनाक करतब रिकॉर्ड कर उसे 'टिक टॉक' ऐप के जरिए वायरल करने का ट्रेंड काफी तेजी से बढ़ रहा है। हाईवे एवं फ्रीवे पर बाइक राइडिंग, बांद्रा-वर्ली सी लिंक पर जिक-जैक और समंदर में छलांग लगाते हुए मोबाइल से विडियो रिकॉर्ड करने का क्रेज युवाओं में लोकप्रिय हो रहा है। इनके हैरतअंगेज कारनामे को देखकर लोग जहां दांतों तले उंगलियां दबा लेते हैं। वहीं, मुंबई पुलिस स्टंटबाजी को गैरकानूनी मानते हुए ऐसे विडियो क्रिएटरों के खिलाफ कार्रवाई करती रहती है। सोशल मीडिया पर मशहूर होने आजकल युवा 'टिक टॉक' ऐप की भरपूर मदद लेते हैं। इस ऐप के जरिए लड़के-लड़कियां, बुजुर्ग और महिलाएं भी अजीबो-गरीब हरकतें रिकॉर्ड कर वायरल करते हैं। स्कूल-कॉलेज स्टूडेंट्स के बीच इसका क्रेज सर्वाधिक है। इनमें फिल्मी संवाद और गानों पर परफॉर्म किया जाता है। ऐसे दर्जनों ऐप हैं, जिसका इस्तेमाल कर लोग रातों-रात फेमस हो रहे हैं। 2016 में चीनी कंपनी 'बाइट डांस' ने 'टिक-टॉक' ऐप लॉन्च किया था। 2018 में अमेरिकन ने टिक-टॉक ऐप सबसे ज्यादा डाउनलोड किया था। इस ऐप पर 13 साल से अधिक उम्र के लोग 30 सेकंड्स से अधिक समय का विडियो अपलोड कर सकते हैं।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति जल्द

सरकार ने तीनों सेनाओं से नाम मांगे

सरकार ने तीनों सेनाओं से कमांडर-इन-चीफ रैंक के अधिकारियों के नाम मंगवाए हैं। इनमें से किसी एक अधिकारी की नियुक्ति चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में हो सकेगी। बुधवार को आई रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने पहले सीडीएस की नियुक्ति को लेकर एक क्रियान्वयन समिति का गठन किया है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के अंतर्गत काम करेगी। इसका निर्माण कैबिनेट कमेटी (सुरक्षा) ने किया है। यह समिति नए पद की जिम्मेदारी और आधारभूत ढांचे को लेकर कुछ चीजें तय करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को रक्षा विभाग में सीडीएस की नियुक्ति को लेकर घोषणा की थी। सरकारी सूत्रों ने बताया, तीनों सेवाओं ने अपने-अपने कमांडर-इन-चीफ रैंक अधिकारियों के नाम सरकार को भेज दिए हैं। जल्द ही क्रियान्वयन समिति अपनी रिपोर्ट जमा कर देगी। इसके बाद सरकार अंतिम फैसला लेगी। सूत्रों ने बताया कि तीनों सेनाओं से कमांडर रैंक के अधिकारियों के नाम मंगवाने का मकसद नए दफ्तर में अधिकारियों की नियुक्ति के लिए ज्यादा से ज्यादा अधिकारियों को इस प्रक्रिया का हिस्सा बनाना है। सूत्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार जिन अधिकारियों की नियुक्ति इस नए दफ्तर में की जानी है, उनका चयन वरिष्ठता के आधार पर होगा। प्रक्रिया अगले महीने से शुरू हो जाएगी।

दिल्ली की 1,800 अवैध कॉलोनियों को मिली मंजूरी

उपराज्यपाल ने ट्वीट कर दी जानकारी

राजधानी दिल्ली की करीब 1,800 अनधिकृत कॉलोनियों को पक्का करने की मंजूरी दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने दे दी है। दिल्ली के एलजी ने ट्विटर अकाउंट पर इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पीएम-UDAY यानी प्रधानमंत्री अनऑथराइज्ड कॉलोनीज इन दिल्ली आवास अधिकार योजना के तहत इसे मंजूरी दी गई है। इसके अलावा राजधानी के 79 गांवों के शहरीकरण को भी मंजूरी दी गई है। बता दें कि केंद्र सरकार की ओर से इस संबंध में पिछले दिनों वादा किया था और तब से लगातार आम आदमी पार्टी इसे लेकर बीजेपी पर राजनीति करने का आरोप लगा रही थी। इसके अलावा अतिक्रमण और अवैध निर्माण को लेकर दर्ज मामले भी वापस लेने का फैसला लिया गया है।

एनआरसी पर राज्यसभा में बोले अमित शाह...

पूरे देश में लागू करेंगे किसी को डरने की जरूरत नहीं

राज्यसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने एनआरसी मुद्दे पर विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया। उन्होंने धर्म के आधार पर एनआरसी में भेदभाव किए जाने की आशंका को खारिज किया। गृहमंत्री ने कहा कि एनआरसी के आधार पर नागरिकता की पहचान सुनिश्चित की जाएगी और इसे पूरे देश में लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म विशेष के लोगों को इसके कारण डरने की जरूरत नहीं है। यह एक प्रक्रिया है जिससे देश के सभी नागरिक एनआरसी लिस्ट में शामिल हो सकें। गृहमंत्री ने कहा, एनआरसी में

धर्म विशेष के आधार पर भेदभाव नहीं होगा। उन्होंने कहा, एनआरसी में इस तरह का कोई प्रावधान नहीं है जिसके आधार पर कहा जाए कि और धर्म के लोगों को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। सभी नागरिक भले ही उनका धर्म कुछ भी हो, एनआरसी लिस्ट में शामिल हो सकते हैं। एनआरसी अलग प्रक्रिया है और नागरिकता संशोधन विधेयक अलग प्रक्रिया है। इसे एक साथ नहीं रखा जा सकता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एनआरसी को पूरे देश में लागू किया जाएगा ताकि भारत के सभी नागरिक एनआरसी लिस्ट में शामिल हो सकें।

भेदभाव के शिकार शरणार्थियों के लिए नागरिकता बिल

इसके जवाब में केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, हिंदू, बुद्ध, सिख, जैन, ईसाई, पारसी शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी। इसके लिए सिटिजनशिप अमेंडमेंट बिल अलग से है ताकि इन शरणार्थियों को नागरिकता मिल सके। इन्हें पाकिस्तान, बांग्लादे और अफगानिस्तान में धर्म के आधार पर भेदभाव का शिकार होना पड़ा था।

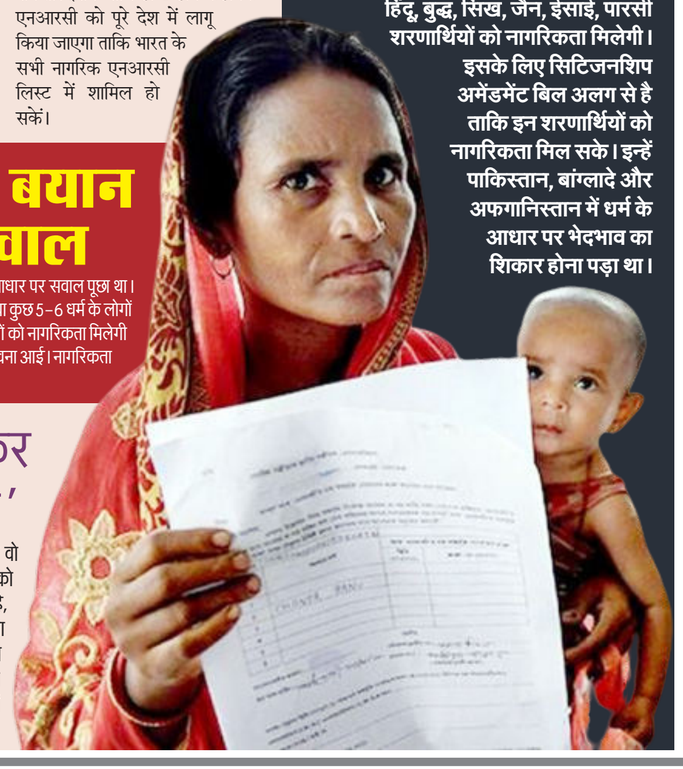

कांग्रेस सांसद ने शाह के बयान के आधार पर उठाए सवाल

बता दें कि सैयद नासिर हुसैन ने राज्यसभा में कोलकाता में दिए अमित शाह के बयान के आधार पर सवाल पूछा था। कांग्रेस सांसद ने कहा, मैं सिर्फ होम मिनिस्टर से जानना चाहता हूं कि आपने कोलकाता में कहा था कुछ 5-6 धर्म के लोगों का नाम लिया था और मुसलमान का नाम नहीं लिया था। आपने कहा था कि इन सभी धर्म के लोगों को नागरिकता मिलेगी भले ही वह इललीगल तरीके से ही रह रहे हों। इसके कारण मुसलमानों के अंदर असुरक्षा की भावना आई। नागरिकता विधेयक और एनआरसी अलग प्रक्रिया हैं, यह जानता हूं।

'कानूनी सहायता की व्यवस्था न कर पाने वालों को सरकार मदद करेगी'

शाह ने कहा- एनआरसी की प्रक्रिया पूरे देश में होगी। किसी को भी, भले ही वो किसी भी धर्म का हो.. उसे इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है। यह केवल सभी को एनआरसी के तहत लाने की प्रक्रिया है। जिन लोगों का नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं आया है, उन्हें ट्रिब्यूनल के पास जाने का पूरा हक है। पूरे असम में ट्रब्यूनल का गठन किया गया है। जो लोग ट्रिब्यूनल के लिए कानूनी मदद की व्यवस्था करने में असमर्थ हैं, उन्हें असम सरकार वकील मुहैया करवाएगी। 31 अगस्त को असम में एनआरसी की फाइनल लिस्ट जारी की गई थी। इस लिस्ट में 3.11 करोड़ लोगों का नाम शामिल था। इसमें 19 लाख लोगों का नाम शामिल नहीं किया गया था।

बिजनेसपर्सन ऑफ द ईयर लिस्ट में सत्या नडेला टॉप पर

भारतीय मूल के 2 अन्य सीईओ भी शामिल

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला फॉर्च्यून की बिजनेसपर्सन ऑफ द ईयर 2019 लिस्ट में टॉप पर रहे। इस सूची में दुनिया के 20 ऐसे सीईओ चुने गए हैं जिन्होंने मुश्किल लक्ष्यों को साधा, असंभव मौकों को भुनाया और क्रिएटिव तरीके से समाधान तलाशे। लिस्ट में नडेला के अलावा भारतीय मूल के अजय बंगा और जयश्री उलाल ने भी जगह बनाई है। मास्टरकार्ड के सीईओ बंगा 8वें और अरिस्ता की हेड उलाल 18वें नंबर पर हैं। फॉर्च्यून ने मंगलवार को ये लिस्ट जारी की। सत्या नडेला 2014 में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ बने थे। उनके नेतृत्व में कंपनी का रेवेन्यू लगातार बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2018-19 में माइक्रोसॉफ्ट का मुनाफा 39 अरब डॉलर और रेवेन्यू 126 अरब डॉलर रहा। कंपनी की तीन साल की कंपाउंड एनुअल रेवेन्यू ग्रोथ रेट 11% और प्रॉफिट ग्रोथ 24% है। अप्रैल में माइक्रोसॉफ्ट पहली बार 1 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप पर पहुंची थी। एपल समेत दुनिया की 4 कंपनियां ही यहां तक पहुंच पाई हैं।

मास्टरकार्ड के शेयर में इस साल 40% तेजी

अजय बंगा 2010 से मास्टरकार्ड के सीईओ हैं। फोर्ब्स का कहना है कि उनके विजन से मास्टरकार्ड को नई पहचान मिली है। कंपनी के शेयर में इस साल 40% तेजी आ चुकी है। जयश्री उलाल 2008 में सिस्को छोड़कर अरिस्ता की सीईओ बनी थीं। उनके नेतृत्व में अरिस्ता ओपन सोर्स क्लाउड सॉफ्टवेयर में स्पेशलाइज्ड मार्केट लीडर बन गई। कंपनी का ऑपरेटिंग मार्जिन पिछले साल 31.5% पहुंच गया, जबकि सिस्को का 28% था।

सबरीमाला: सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- नया कानून बनाएं, केरल सरकार ने कहा- संशोधन जारी, महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी होगा

सुप्रीम कोर्ट ने केरल सरकार से 4 हफ्तों में सबरीमाला मामले में नया कानून बनाने को कहा है। बुधवार को पंडलम राजघराने की याचिका पर सुनवाई करते हुए 3 सदस्यों वाली बेंच ने यह आदेश जारी किया। इस पर राज्य सरकार के वकील ने कहा कि मंदिरों के प्रबंधन के लिए अलग कानून बनाया जा रहा है। साथ ही मंदिरों की सलाहकार समिति में महिलाओं को शामिल करने की बात भी कही। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई जनवरी, 2020 में करने का आदेश दिया। मामले की सुनवाई कर रही जस्टिस सुभाष रेड्डी, जस्टिस एनवी रमन्ना और जस्टिस बीआर

गवई की बेंच से केरल सरकार के वकील ने कहा कि नए कानून के तहत उन सभी मंदिरों का प्रबंधन किया जाएगा, जिनका संचालन वर्तमान में त्रावणकोर देवास्वम बोर्ड करता है। कानून के ड्राफ्ट में मंदिरों की सलाहकार समिति में एक तिहाई प्रतिनिधित्व महिलाओं को देने का भी प्रस्ताव है। राज्य सरकार ने कहा कि फिलहाल 50 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को इसमें शामिल किया जाएगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में कुल 65 याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिनमें 56 पुनरीक्षण याचिकाएं, 4 नई रिट याचिकाएं और 5 ट्रांसफर याचिकाएं शामिल हैं। सभी याचिकाकताओं ने लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़े विषय में अदालती दखल के अधिकार को चुनौती दी थी। याचिकाओं में कहा गया- सबरीमाला में स्थित देव प्रतिमा ब्रह्मचारी स्वरूप की है और 10 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रवेश देकर, सदियों पुराने विश्वास को नहीं तोड़ा जाना चाहिए।

अदालत ने पहले भी केरल सरकार को निर्देश दिया: शीर्ष अदालत ने पिछले साल अगस्त में भी केरल सरकार को सबरीमाला मन्दिर के लिए नया कानून लाने के लिए कहा था, लेकिन राज्य सरकार ने त्रावणकोर-कोचीन रिलीजियस इंस्टिट्यूशन एक्ट का ड्राफ्ट पेश किया। दरअसल, राज्य सरकार सबरीमला और बाकी मंदिरों के लिए संयुक्त रूप से कानून लाना चाह रही थी, लेकिन बुधवार को अदालत ने नए निर्देश जारी करने के साथ ही मामले की सुनवाई जनवरी के तीसरे हफ्ते तक टाल दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

होमगार्ड ऑफिस आगः घोटाले की फाइलें जलीं,

सीएम योगी ने दिए फरेंसिक जांच के आदेश

लखनऊ। गौतमबुद्धनगर स्थित डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ऑफिस में होमगार्ड के वेतन घोटाले की जांच पूरी होने से पहले ही सोमवार रात रेकॉर्ड जला दिए गए। ऑफिस का ताला तोड़कर मस्टररोल (अटेंडेंस रजिस्टर) को एक बक्से में डालकर आग लगाई गई। बक्से में 2014 से अब तक के मस्टररोल रखे गए थे। इस मामले को सीएम योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लेते हुए एक फरेंसिक टीम को तत्काल घटना स्थल का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है। साथ ही सीएम ने होमगार्ड विभाग के महानिदेशक से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

इस मामले में डीजी होमगार्ड्स जीएम मीना ने मामले की प्राथमिक जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी है। फिलहाल असिस्टेंट कमांडेंट और 2 होमगार्डों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। डीजीपी ओपी सिंह ने बताया कि जले हुए दस्तावेजों की जांच गुजरात की फरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) करेगी। सिंह ने बताया कि सीएम के निर्देश पर यह फैसला लिया गया है। पुलिस और फरेंसिक टीम ने जले दस्तावेजों को जांच के लिए

सुरक्षित कर लिया है।

एसएसपी ने बताया कि आरोपियों ने पहले रेकॉर्ड रूम के गेट का ताला तोड़ा। इसके बाद जिस बॉक्स में मस्टररोल रखे गए थे उसका ताला तोड़कर उसे खोला। 2 अन्य अलमारियों का ताला तोड़कर भी मस्टररोल निकाले गए और उसी बक्से में डाल दिया। इसके बाद पूरे बक्से को आग के हवाले कर दिया।

एसएसपी के मुताबिक, दोनों अलमारियों से कुछ बचे हुए मस्टररोल को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। एक होमगार्ड ड्यूटी के समय एक कमरे में था। उसके गेट को बाहर से लॉक किया गया था। पुलिस ने पूछताछ के लिए उस होमगार्ड को भी हिरासत में लिया है। एसएसपी ने कहा कि किस होमगार्ड की ड्यूटी थी और रात में आसपास के कमरे में कौन-कौन था, सबकी जांच हो रही है।

शुरूआती जांच में पता चला कि आग लगाने वाला रेकॉर्ड से पूरी तरह से वाकिफ था। उसने 2 अलमारियों में से छांटकर केवल जांच से संबंधित मस्टररोल को ही बाहर निकाला। इसके बाद जिस बॉक्स में 2014 से अब तक के रेकॉर्ड रखे थे, उसकी भी जांच की। जांच से जुड़े मस्टररोल का इत्मीनान होने के बाद बक्से में सभी फाइलों को डाला और आग लगा दी। सुबह सूचना मिलने पर जब तक दमकल विभाग के कर्मचारी पहुंचे, पूरा रेकॉर्ड जल चुका था।

जिले में तैनात होमगार्डों की ड्यूटी थानों के अलावा ट्रैफिक पुलिस और प्रशासनिक दफ्तरों में लगाई जाती है। इसके लिए उन्हें 600 रुपये प्रतिदिन वेतन दिया जाता है। होमगार्ड विभाग के अधिकारी ड्यूटी पर जाने वाले जवानों का मस्टररोल तैयार करते हैं। इस पर संबंधित थाने के एसएचओ या ऑफिस के अधिकारी के हस्ताक्षर के साथ मुहर लगती है। होमगार्ड विभाग के अधिकारियों ने फर्जी हस्ताक्षर और मुहर का इस्तेमाल करके मस्टररोल तैयार किए। इनमें असल तैनाती की जगह ज्यादा संख्या में होमगार्डों की ड्यूटी दिखाई गई। फर्जी तरीके से लगी ड्यूटी का जो वेतन मिला, उसका कुछ हिस्सा संबंधित होमगार्ड को देकर अधिकारियों ने डकार लिया। सूत्रों के अनुसार यह घोटाला कई वर्षों से चल रहा था।

होमगार्ड के प्लाटून कमांडर ने जुलाई में एसएसपी वैभव कृष्ण से फजीर्वाड़े के बारे में शिकायत की थी। एसएसपी के आदेश पर एसपी सिटी विनीत जायसवाल ने जांच की। जांच में पता चला कि मई और जून में 8 लाख रुपये के वेतन का घोटाला हुआ है।

दिल्ली में 6000 फैक्ट्रियां सील करेगी एमसीडी

नई दिल्ली। दिल्ली के रेजिडेंशल इलाकों में चलने वाली करीब 6 हजार से अधिक फैक्ट्रियां सील की जाएंगी। साउथ एमसीडी एरिया में 3017 और नॉर्थ में 2531 इंडस्ट्रीज की लिस्ट बनाई गई है। ईस्ट एमसीडी ने गांधी नगर में 800 इंडस्ट्रियल यूनिट को सील करने का नोटिस दिया गया है। अफसरों का कहना है कि राजधानी में बढ़ते प्रदूषण का एक कारण इंडस्ट्रियल प्रदूषण भी है, जिसे कम करने के लिए पिछले दिनों पीएमओ के प्रिंसिपल सेक्रेटरी ने मीटिंग बुलाई थी। इस दौरान आदेश दिया गया कि रेजिडेंशियल कॉलोनियों में जिन फैक्ट्रियों से प्रदूषण की समस्या है, उन्हें सील किया जाए।

एमसीडी अफसरों के अनुसार, दिल्ली में प्रदूषण स्तर खतरनाक होने के बाद पीएमओ के प्रिंसिपल

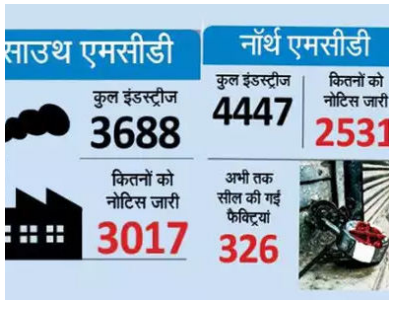

सेक्रेटरी ने प्रदूषण कम करने के सभी विकल्पों पर विचार - विमर्श के लिए मीटिंग बुलाई थी। इसमें रेजिडेंशल इलाकों में चलने वाली इंडस्ट्रियल यूनिट से प्रदूषण के बारे में भी चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने एमसीडी अफसरों को आदेश दिया कि अगले कुछ दिनों में रेजिडेंशल एरिया में चल रहीं फैक्ट्रियों का सर्वे करें और जिनसे प्रदूषण की समस्या हो उसे सील भी किया जाए। उनके आदेश पर तीनों एमसीडी ने अपने - अपने कार्य क्षेत्रों में इंडस्ट्रीज का सर्वे किया है।

साउथ एमसीडी के फैक्ट्री व लाइसेंसिंग विभाग ने नजफगढ़, वेस्ट, सेंट्रल और साउथ जोन में कुल 3017 इंडस्ट्रीज की लिस्ट बनाई है। इसी तरह से नॉर्थ एमसीडी ने कुल 4447 इंडस्ट्रीज का सर्वे किया है और इसमें से 2531 इंडस्ट्रीज को सील करने का नोटिस दिया है। ईस्ट एमसीडी के गांधी नगर में 800 इंडस्ट्रीज को सीलिंग का नोटिस जारी किया गया है। कुल मिलाकर तीनों एमसीडी एरिया में करीब 6 हजार से अधिक इंडस्ट्रीज सील करने के लिए नोटिस दिया गया है।

अर्बन नक्सल की आवाज बुलंद कर रहे हैं जेएनयू के प्रदर्शनकारी छात्र : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय से सांसद गिरिराज सिंह ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर कहा कि वे इस संस्थान को अर्बन नक्सल का केंद्र बना देना चाहते हैं। फीस में बढ़ोतरी वापस लेने का विरोध करना बस बहाना है। सिंह ने कहा कि जेएनयू में फीस बढ़ाकर मात्र 300 रुपये की गई है जो बड़ा अमाउंट नहीं है।

गिरिराज सिंह ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को टुकड़े-टुकड़े गैंग का कार्यकर्ता बताया और कहा कि ये लोग प्रदर्शन के बहाने अर्बन नक्सल की आग को हवा दे रहे हैं। ये लोग हमेशा अच्छे छात्रों, शिक्षकों और मीडिया के लोगों के साथ गलत व्यवहार करते हैं और अफजल गुरु जैसे आर्तकियों के समर्थन में नारेबाजी करते हैं।

जेएनयू छात्रों के समर्थन में आए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को निशाने पर लेते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि वे नहीं जानते हैं कि हमारा कल्चर गुरुकुल का है, जिसमें गुरु का स्थान भगवान की तरह है। लेकिन ये छात्र गुंडागर्दी कर रहे हैं और हमारे कल्चर को बर्बाद किया जा रहा है।

राजनीतिक 'मुफलिसी' दिला रही शिवपाल यादव को घर की याद!

लखनऊ। सूरदास ने लिखा है 'मेरा मन अनत कहां सुख पावे, जैसे उड़ि जहाज कौ पंछी पुनि जहाज पै आवै!' समाजवादी पार्टी (एसपी) छोड़कर अलग पार्टी बनाने वाले शिवपाल यादव के भतीजे अखिलेश यादव पर नरम रुख के बाद सियासी गलियारों में सूरदास की यह रचना एकाएक मौजू होने के साथ एसपी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (शिवपाल यादव की पार्टी) के एक होने की चचाएं तेज हो गई हैं। जानकारों का कहना है कि विधानसभा चुनाव तक चर्चा अमल में बदल सकती है।

2017 के विधानसभा चुनाव के पहले सपा के दो मजबूत ध्रुवों अखिलेश यादव और शिवपाल यादव की तल्खी परवान चढ़ चुकी थी। चुनाव के बाद शिवपाल यादव ने न केवल पार्टी छोड़ी बल्कि अपना अलग दल भी बना लिया। इस दौरान मुलायम सिंह यादव के आशीर्वाद के लिए चाचा-भतीजे में जंग जरूर चली। इसमें भी पलड़ा अखिलेश यादव का ही भारी रहा। शिवपाल के मंच से मुलायम सिंह यादव एसपी को जिताने की अपील कर गए और लोकसभा चुनाव में भी

एसपी की रणनीति तय करते रहे। अब एक फिर 22 नवंबर को मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन के पहले शिवपाल यादव ने अपना परिवार प्रेम जाहिर किया है।

मुलायम परिवार से जुड़े करीबी शिवपाल यादव के बयान और कुछ दिनों पहले हुए अखिलेश यादव के इशारों के बीच उम्मीद की डोर तलाश रहे हैं। शिवपाल अब भी समाजवादी पार्टी से ही विधायक हैं। पिछले दिनों एसपी ने उनकी सदस्यता रद करने की याचिका जरूर दायर की थी, लेकिन प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने इसे वापस लेने का इशारा भी किया था। अब शिवपाल यादव फिर भतीजे को सीएम बनाने के लिए संकल्पित होने की बात कर रहे हैं। एसपी के एक नेता का कहना है कि शिवपाल पार्टी में एक पावर सेंटर के तौर पर थे। पार्टी के बाहर जाने के बाद दूसरे बड़े दलों में भी उनके लिए वह भूमिका कभी नहीं मिल सकती, जो उनकी एसपी में थी। अपने दम पर प्रदर्शन का हश्र उन्होंने देख लिया, ऐसे में 'घर वापसी' ही बेहतर विकल्प है। अपने कोर वोटरों और ताकतों को बटोरकर 2022 के चुनाव की तैयारी में लगी एसपी और अखिलेश यादव को भी विनम्र दिख रहे शिवपाल से बहुत दिक्कत होने के आसार नहीं है। इसलिए बयानों में दिख रही यह नजदीक विधानसभा चुनाव आने तक हकीकत में भी बदल सकती है। हालांकि, दोनों ही पार्टी के अधिकृत प्रवक्ता इस मामले पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

जेल में बंद बाहुबली विधायक को शीतकालीन सत्र में शामिल होने की इजाजत

पटना। पटना में सांसद-विधायक की एक स्पेशल कोर्ट ने मोकामा से निर्दलीय बाहुबली विधायक अनंत सिंह को बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल होने की अनुमति दी है। पटना विधानसभा का शीतकालीन सत्र 22 से 28 नवंबर तक चलेगा। बता दें कि अनंत सिंह वर्तमान में भागलपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। विधायक के वकील नबिन कुमार ने बताया कि मंगलवार को स्पेशल कोर्ट के पास एक याचिका दायर कर विधानसभा के 14वें सत्र में शामिल होने के लिए राहत देने की मांगी की थी।

घूमने के लिए ये हैं दुनिया की 10 सबसे खूबसूरत जगह, भारत की भी एक

दुनिया भर में ऐसे कई स्थान हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए फेमस हैं। इन जगहों को देखने और यहां समय बिताने के लिए दुनिया भर से सैलानी यहां आते हैं। अगर आप भी ऐसे ही किसी खूबसूरत टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर जाना चाहते हैं, तो यहां जानें दुनिया की कुछ सबसे खूबसूरत जगहों के बारे में..

बोरा बोरा आइलैंड्स (फ्रेंच पॉलिनेशिया)
यह साउथ पैसिफिक आइलैंड दुनिया के रोमांटिक आइलैंड्स की लिस्ट में टॉप पर है। यहां के वाइट बीच, एक्वा लैगून और लग्जरी होटेल्स की खूबसूरती देखते ही बनती है।
कोआई आइलैंड, हवाई
यह अमेरिका के हवाई द्वीप समूह का एक छोटा आइलैंड है, जो अपनी खूबसूरती के लिए फेसम है। यह एक ज्वालामुखी द्वीप है और यहां की जलवायु उष्णकटिबंधीय है, जो साल भर एक सा बना रहता है।
नॉसवांस्टाइन कैसल, जर्मनी
दक्षिण जर्मनी में स्थित इस कैसल का निर्माण 19वीं सदी में शुरू हुआ था। इसे बनाने का आदेश बवेरिया के राजा किंग लूडविज- कक ने 1864 में दिया था, हालांकि यह कभी पूरा नहीं हो पाया। इस खूबसूरत महल हो बनाने के लिए लूडविज- कक को काफी कर्ज भी लेना पड़ा था। लूडविज की मौत के कुछ ही हफ्तों बाद इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया था।
नॉर्दन लाइट्स, आइसलैंड
आइसलैंड अपनी खूबसूरती के लिए फेमस है। यहां के रंगीन पर्वत और ज्वालामुखी वाली नदियां आपको दिवाना बना देंगी। लेकिन सबसे खास है नॉर्दन लाइट्स।

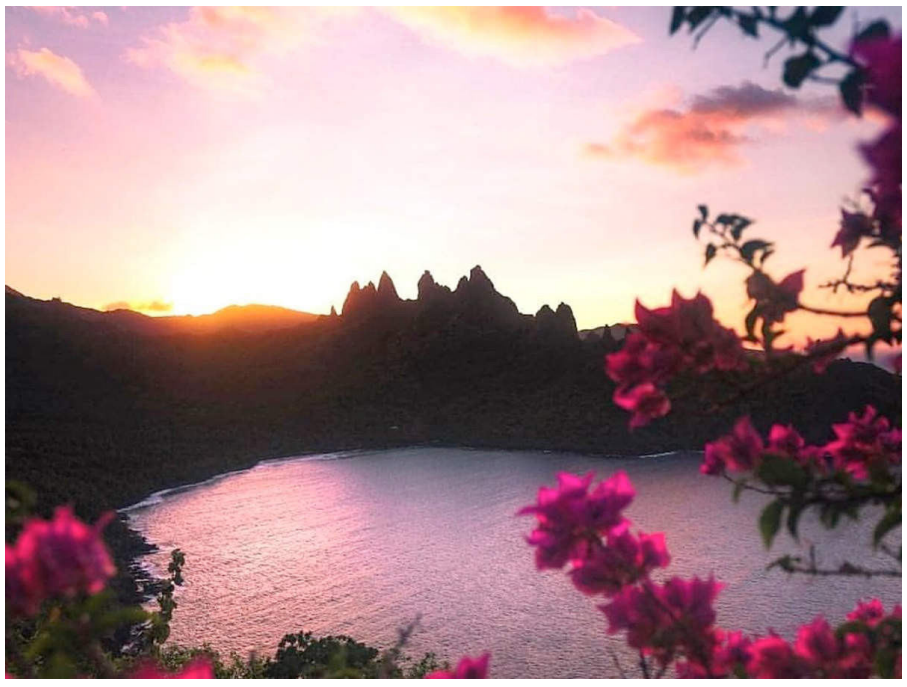

नॉर्दन लाइट्स को अपने कैमरे में कैद करने के लिए दुनिया भर के फोटोग्राफर्स में दीवानगी देखते बनती है।
रेनबो माउंटेन, झांग्ये डांक्सिया, चीन
इस जगह को देखकर आपको लगेगा कि आप किसी पेटिंग को देख रहे हैं। इन रंग-बिरंगे पहाड़ों को देखना एक बेहतरीन अनुभव होता है। प्राकृतिक तरीके से बने इन खूबसूरत पहाड़ों को देखने के लिए सैलानी दूर-दूर से चीन आते हैं।
लोंग सेंग राइस ट्रेन्स, चीन
लोंग सेंग राइस ट्रेन्स (ड्रैगन बैकबोन) चीन में इसे लोंग राइस ट्रेन्स भी कहा जाता है। यह चीन के गुइलिन से लगभग 100 किलोमीटर की दूर पर स्थित है।
स्वालबार्ड, नॉर्वे
नॉर्वे के स्वालबार्ड द्वीप में सैलानी खास रुचि दिखा रहे हैं। शाम के समय बर्फ से ढके इस द्वीप समूह की खूबसूरती देखते ही बनती है। 18वीं शताब्दी में डच और डेनमार्क के कैदियों को सजा देने के लिए स्वालबार्ड भेजा जाता था। लेकिन अब अडवेंचर के लिए सैलानी यहां आते हैं।
ताजमहल, आगरा
दुनिया के 7 अजूबों में से एक ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में स्थित प्यार की निशानी माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती के देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में चर्चे हैं। इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बना कर रखा हुआ है।
बागान के मंदिर, म्यांमार
म्यांमार के प्राचीन शहर बागान में कई मंदिर मौजूद हैं, जिनकी खूबसूरती को देखने के लिए दुनिया भर लोग आते हैं। सन 1105 में बने इन मंदिरों का इतिहास बहुत पुराना है। यहां के आनंदा मंदिर को मॉन वास्तुकला का सबसे पुराना मौजूद मास्टरपीस माना जाता है। इसके अलावा इसे बागान मंदिरों में सबसे बेहतरीन, सबसे भव्य, सबसे अच्छी तरह संरक्षित और सबसे महत्वपूर्ण मंदिर माना जाता है।
टोरेस डेल पेन नैशनल पार्क, चिली
दक्षिण अमेरिकी देश चिली के शहर पेटागोनिया में स्थित है, टोरेस डेल पेन नैशनल पार्क है। इस पार्क की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से सैलानी पहुंचते हैं। यह दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा पार्क है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
भ्रमण पर जाने से व्यय भार बढ़ सकता है। माता पिता की सेहत की चिंता रहेगी। किसी अजनबी पर विश्वास हानिकारक हो सकता है।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसंगति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
कार्यों के प्रति उत्साह बना रहेगा। पति पत्नी के बीच मामूली अनबन हो सकती है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी।

कन्या
खानपान नियंत्रित व संतुलित रखें। मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकर
क्रोध व वाणी पर नियंत्रण रखें। मित्रों पर आंख बंद कर विश्वास न करें। भूमि भवन के कार्यों के सिलसिले में यात्रा हो सकती है।

मिथुन
भूमि या भवन में निवेश लाभदायक हो सकता है। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं।

तुला
आय बढ़ाने हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रह सकती है। आर्थिक पक्ष बेहतर रहने से मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ
जीवनसाथी को उपहार दे सकते हैं। राजकीय कार्यों में सफलता मिल सकती है। मित्रों के साथ आमोद प्रमोद में समय व्यतीत होगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

कर्क
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। शत्रु की प्रबलता रह सकती है। जरुरी न हो तो निवेश न करें।

वृश्चिक
पैसा आने से पहले ही जाने का रास्ता तैयार रहेगा। आप किसी साजिश का शिकार हो सकते हैं। खानपान पर नियंत्रण रखें।

मीन
जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। संतान आपकी बातों से प्रभावित होगी। माता पिता की सेवा का भाव रहेगा।

कोस्टा रिका में अब जंगली जानवरों के साथ सेल्फी नहीं ले पाएंगे सैलानी

मध्य अमेरिका का देश कोस्टा रिका, अपनी समृद्ध बायोडायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। दुनिया की बायोडायवर्सिटी का 5 प्रतिशत हिस्सा यहीं मौजूद है। कोस्टा रिका के वाइल्डलाइफ पब्लिक प्रॉपर्टी है और सरकार इसका संरक्षण करती है। कोस्टा रिका में जंगली से साथ सेल्फी लेने का चलन पिछले कुछ समय से सैलानियों के बीच काफी पॉप्युलर है।
वाइल्ड लाइफ को बचाने के लिए शुरू किए गए इस अभियान की मदद से सैलानियों को जानवरों के साथ सेल्फी लेने से परहेज करने की हिदायत दी जा रही है। दरअसल वन्यजीवों के साथ सेल्फी लेने से फोटोग्राफर जंगली जानवरों के सीधे संपर्क में आते हैं, जो जैव विविधता के लिए खतरा पैदा कर रही है। कोस्टा रिका के पर्यावरण और ऊर्जा मंत्री पामेला कैस्टिलो का कहना है कि यह फोटोग्राफर और वन्यजीवों दोनों के लिए जोखिम भरा है। एक ओर मनुष्य जानवरों को परेशान करते हैं, वहीं दूसरी ओर जानवर भी लोगों के लिए जोखिम पेश कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जानवर इंसानों के संपर्क में आने से बीमार हो सकते हैं। जंगल उनका प्राकृतिक आवास है और उनके स्थान का सम्मान किया जाना चाहिए।'
अभियान के तहत, सैलानियों को जंगली जानवरों के साथ सेल्फी लेने और उन्हें खाने की चीजें देने से होने वाली परेशानियों के बारे में बताया जा रहा है। साथ ही सैलानियों को जंगल में सावधानी से रहने, जानवरों को देखकर शोर नहीं करने और जानवरों की ओर किसी भी प्रकार की वस्तु नहीं फेंकने के लिए कहा जा रहा है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, गुरुवार
21 नवंबर, 2019

गंभीर का बड़ा खुलासा- वर्ल्ड कप फाइनल में धोनी की वजह से नहीं जड़ पाया शतक

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर बड़ा खुलासा किया है और उनको 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल में अपने शतक बनाने से पहले ही आउट होने के लिए जिम्मेदार बताया है। भारत की 2011 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वाले ओपनर गौतम गंभीर ने खुलासा किया कि उन्हें मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ खिताबी भिड़ंत में शतक पूरा करने से कैसे चूक गए।

बता दें कि 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल में गौतम गंभीर ने 97 रनों की पारी खेली थी और वह अपने शतक से केवल 3 रन ही दूर रह गए थे। गौतम गंभीर ने वह कारण बताया कि कैसे वह वर्ल्ड कप 2011 के फाइनल में अपना शतक नहीं बना पाए।

गौतम गंभीर ने धोनी पर आरोप लगाते हुए लल्लनटॉप से कहा कि अगर मैं आपको सही सच्चाई बताता हूं, तो मुझे भी बुरा लगता है। यह इसलिए है क्योंकि आप पूरी जिंदगी मेहनत करते हैं, सिर्फ अपने लिए रन बनाने के लिए

ही नहीं। जब मैं बड़ा हो रहा था, मेरा सपना देश के लिए वर्ल्ड कप जीतने का था और मुझे दो ऐसे अवसर मिले जब मैंने वर्ल्ड कप फाइनल खेला और मैं उन दोनों में टॉप स्कोरर था। 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल की उस रात को याद करते हुए गौतम गंभीर ने कहा कि यदि आप किसी खिलाड़ी से पूछते हैं कि आपने इतना अच्छा प्रदर्शन किया और फिर भी 'मैन ऑफ द मैच' नहीं बने तो ये बहुत दिल दहलाने वाली बात होती है। मुझसे ये प्रश्न बहुत बार पूछा गया है कि जब आप 97 रनों पर खेल रहे थे तो क्या सोच रहे थे।

गौतम गंभीर ने कहा, 'जब तक मैं 97 रनों पर नहीं पहुंचा था तब तक मैं अपने शतक बारे में नहीं सोच रहा था, लेकिन 97 के स्कोर पर आने के बाद धोनी ने मुझे बता दिया कि मैं अपने शतक से सिर्फ 3 रन दूर हूं और पहले अपना शतक पूरा कर लूं। उसके बाद मेरे दिमाग में शतक की बातें चलने लगी। गौतम गंभीर ने कहा कि इससे पहले मेरे दिमाग में सिर्फ श्रीलंका को हराने की बात चल रही थी, लेकिन उस पल के बाद मेरा ध्यान शतक पर चला गया। अगर मैं वो नहीं सोच रहा होता तो शायद शतक भी पूरा कर लेता। आज तक मुझसे वो सवाल पूछे जाते हैं कि उन तीन रनों को ना बना पाने का मलाल आपको है या नहीं। बता दें कि 2011 वर्ल्ड कप के फाइनल में गौतम गंभीर 97 रनों की पारी के साथ टॉप स्कोरर रहे थे। जबकि धोनी ने नाबाद 91 रन बनाए थे जिसके लिए उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' मिला था।

आपको बता दें कि पिछले साल गौतम गंभीर ने एक इंटरव्यू में साल 2012 में ऑस्ट्रेलिया में हुई सीबी सीरीज के दौरान पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के फैसलों के बारे में चर्चा की थी। गंभीर ने वह विवादित वाकया याद दिलाया था जब धोनी ने 2012 में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई ट्राई सीबी सीरीज में सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और गंभीर को एक साथ नहीं खिलाने का फैसला किया था।

मलिंगा का संन्यास पर 'यू टर्न', बोले- दो साल और खेलना चाहता हूं

कोलंबो। श्रीलंका के कप्तान और अनुभवी तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने अगले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद क्रिकेट को अलविदा कहने का अपना फैसला वापिस ले लिया है। उन्होंने कहा कि वह दो साल और खेल सकते हैं। मलिंगा ने मार्च में कहा था कि वह ऑस्ट्रेलिया में अगले साल अक्टूबर नवंबर में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास लेना चाहते हैं। इस फॉर्मेट में श्रीलंका के कप्तान 36 बरस के मलिंगा ने अब कहा कि वह आगे भी खेल सकते हैं।

उन्होंने क्रिकइंफो वेबसाइट से कहा, टी20 में चार ओवर ही डालने हैं और मुझे लगता है कि मैं इसमें खेल सकता हूं। बतौर कप्तान मैने दुनिया भर में इतने टी20 खेले हैं कि मुझे लगता है कि दो साल और खेल सकता हूं। उन्होंने कहा कि वह श्रीलंका क्रिकेट की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं कि वह टी20 विश्व कप में कप्तान होंगे या नहीं।

मलिंगा ने कहा, श्रीलंका क्रिकेट ने कहा है कि विश्व कप में मैं कप्तान रहूंगा लेकिन श्रीलंका में कुछ भी हो सकता है। टी20 क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज मलिंगा ने कहा कि खराब दौर से गुजर रही श्रीलंकाई टीम को स्थिर कप्तानी की जरूरत है। उन्होंने कहा, श्रीलंका के पास अच्छे गेंदबाज नहीं है और टीम लगातार अच्छा नहीं खेल पा रही है। हमें एक डेढ साल लगेंगे और तब तक संयम रखना होगा। 36 साल के मलिंगा ने कहा कि वह लगातार खेलकर ही अपनी ओर से योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं युवाओं को कुछ दे सकता हूं तो मुझे खेलना होगा। मैं नहीं खेलूंगा तो ऐसा नहीं कर सकूंगा।

डे-नाइट टेस्ट के पहले चार दिन के सभी टिकट बिके: सौरभ गांगुली

मुंबई। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में होने वाले भारत के पहले दिन-रात्रि टेस्ट के पहले चार दिन के सभी टिकट बिक गए हैं। वह इससे काफी खुश हैं। भारत अपना पहला दिन-रात्रि टेस्ट 22 नवंबर से बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और इसके लिए दोनों टीमें कोलकाता पहुंच चुकी हैं।

मंगलवार को सौरभ गांगुली ने यहां कहा,

'टिकट बिक गए हैं और इसे लेकर मैं काफी खुश हूं।' यह पूछने पर कि कितने दिन के खेल के सभी टिकट बिक गए हैं। गांगुली ने बताया कि पहले चार दिन के सभी टिकट बिक गए हैं।

गांगुली ने इससे पहले प्रतियोगिता के आधिकारिक शुभंकर 'पिंकू-टिंकू' का भी अनावरण किया था। भारत के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक ईडन गार्डेंस की क्षमता 67000 दर्शकों की है।

पिंक बॉल से टेस्ट सकारात्मक शुरूआत, लेकिन सुविधाओं में भी सुधार जरूरी: द्रविड़

कोलकाता। भारत और बांग्लादेश के बीच सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच शुक्रवार से खेला जाएगा जिसे सफल बनाने के लिए बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली भी काफी मेहनत कर रहे हैं। कोलकाता में होने वाला यह टेस्ट मैच पिंक बॉल से खेला जाएगा जो डे-नाइट फॉर्मेट में होगा।

पूर्व दिग्गज राहुल द्रविड़ का मानना है कि डे-नाइट टेस्ट मैचों को सफल बनाने के लिए बुनियादी सुविधाओं पर भी ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने हमारे सहयोगी इकनॉमिक टाइम्स से कहा कि क्रिकेट स्टेडियम में आने को लेकर प्रशंसकों को लुभाने की कोशिश में गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलना एक सकारात्मक शुरूआत है।

द्रविड़ ने कहा, 'कार पार्किंग, बैठने की सुविधा, शौचालय जैसी बुनियादी चीजों पर

ध्यान देने की जरूरत है। ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो फैंस को डे-नाइट टेस्ट की ओर आकर्षित करेंगी। यह कई चीजों में से एक है, जिससे फैंस के बीच टेस्ट मैच को लेकर सही मायने में उत्साह बढ़ाया जा सकता है। अगर हम ओस को नियंत्रित करने में सक्षम हैं, तो पिंक बॉल टेस्ट भारत में एक विशेषता बन सकता है।'

उन्होंने कहा, 'जब गेंद गीली हो जाती है और स्विंग नहीं करती है तो गेंदबाजों के सामने काफी मुश्किल होती है। यह (गुलाबी गेंद) एक नई बात है जो लोगों को स्टेडियम में आकर्षित करेगी और इसे लेकर कोशिश की जानी चाहिए। द्रविड़ ने कहा, 'साल 2001 में ईडन गार्डन में 1,00,000 लोग थे, तो हम इस बात को याद नहीं करते हैं कि उस समय, कोई एचडी टीवी नहीं था जो आपको घर पर एक बेहतर एक्सपीरियंस की गारंटी दे सकता था। उस समय मोबाइल पर कोई क्रिकेट नहीं देखता था।' उन्होंने बीसीसीआई से कहा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे पारंपरिक टेस्ट उत्सव के लिए योजना बनाई जा सकती है, जैसे कोलकाता में न्यू इयर टेस्ट और चेन्नै में पोंगल टेस्ट जो परिवार के साथ टेस्ट मैच देखने का विकल्प हो सकता है।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल : मनु, रानी 25 मीटर एयर पिस्टल से बाहर

पुतियान (चीन)। भारत की मनु भाकर और राही सरनोबत विश्व कप फाइनल्स में महिलाओं के 25 मीटर एयर पिस्टल वर्ग में फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी । राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनु ने प्रिसिशन में 292 और रैपिड में 291 स्कोर किया । उसका क्वालीफायर में कुल स्कोर 583 रहा । जर्मनी की डोरीन वेनेकैंप और आस्ट्रेलिया की एलेना गालियाबोविच का स्कोर भी 583 था लेकिन इनर 10 अधिक लगाने के कारण जर्मन निशानेबाज को फाइनल में जगह मिली । मनु और गालियाबोविच ने 17 इनर 10 लगाये जबकि जर्मन निशानेबाज ने 23 इनर 10 शाट लगाये । दूसरी ओर एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता राही क्वालीफायर में 569 स्कोर

करके सबसे नीचे रही । दिन में अनीश भानवाला पुरूषों के 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में चुनौती पेश करेंगे ।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कृति खरबंदा के हाथ से निकल गई अमिताभ और इमरान की 'चेहरे'

अपनी पिछली फिल्म 'हाउसफुल 4' की सफलता का जश्न मनाने और आने वाली फिल्म पागलपंती के प्रमोशन में व्यस्त ऐक्ट्रेस कृति खरबंदा के हिस्से अब एक बुरी खबर आ गई है। दरअसल, कृति को अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी स्टारर उनकी अगली फिल्म चेहरे से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। पहले जहां इस बात को लेकर केवल कयास लगाए जा रहे थे, वहीं अब फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे उनके को-स्टार इमरान हाशमी ने इस बात की पुष्टि कर दी है। बातचीत के दौरान इमरान से कृति को रिप्लेस किए जाने की खबर पर कहा, 'हां, मैंने भी ये सुना है। अभी खबर आई है, जो सच है। झूठ नहीं है। अब किसी और को ढूंढेंगे।' इमरान ने यह भी बताया कि रूमी जाफरी निर्देशित इस फिल्म का दूसरा शेड्यूल जल्द ही पोलैंड में माइनस 10 डिग्री तामपान में फिल्माया जाना है। यही नहीं, अब कृति को रिप्लेस किए जाने के बाद फिल्म का पहला शेड्यूल भी रीशूट करना पड़ सकता है। वैसे, कृति अपनी इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड थीं। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया था कि कैसे अमिताभ बच्चन उनकी एक गुजारिश पर तुरंत शॉट री-शूट करने को तैयार हो गए थे। यही नहीं, उन्होंने अपने इस अनुभव को बिना फीस दिए स्कूल जाने जैसा करार दिया था, जहां उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। लेकिन कहा जा रहा है कि कृति और उनकी टीम डेट्स को लेकर काफी इशू खड़ा कर रही थी, जिसकी वजह से उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया।

सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली सिलेब्रिटी बनीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा को यूं ही ग्लोबल आइकन नहीं कहा जाता, उन्होंने न सिर्फ इंटरनैशनल लेवल पर अपना नाम बनाया है बल्कि पूरी दुनिया की हॉट फेवरिट स्टार हैं। और यह बात एक रीसेंट सर्वे में साबित हो गई है। इस सर्वे के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा टॉप इंडियन ऐक्ट्रेस हैं जिन्होंने अक्टूबर 2018 से अक्टूबर 2019 के बीच पूरी दुनिया के लोगों पर अपना प्रभाव छोड़ा है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका का नाम 2019 में 2.74 मिलियन बार सर्च किया गया। प्रियंका के अलावा फीमेल लिस्ट में बॉलिवुड ऐक्ट्रेस दीपिका पादुकोण दूसरे और सनी लियोनी तीसरे नंबर पर रहीं। इस सर्वे में सामने आया कि सलमान खान को अक्टूबर 2019 में 1.83 मिलियन बार सर्च किया गया। वहीं अगर सिर्फ मेल सिलेब्स की बात करें तो सलमान खान के बाद सर्च किए जाने वाले लोगों में शाहरुख खान दूसरे और अमरीश पुरी तीसरे नंबर पर रहे। प्रियंका ने हाल ही में फिल्म द स्काई इज पिंक से कमबैक किया है। फिल्म में उनके साथ फरहान अख्तरर थे। हाल ही में वह अपनी एक और फिल्म की शूटिंग खत्म करके दिल्ली से गई हैं, इसमें वह राजकुमार राव के साथ शूटिंग कर रही थीं। वह अपने प्रफेशनल कमिटमेंट्स के चलते इंडिया और यूएस आती जाती रहती हैं।

सुष्मिता को रोहमन ने दिया छत पर सरप्राइज

बॉलिविड ऐक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने कल 19 नवंबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया। इस खास मौके पर उनके बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल का एक रोमांटिक पोस्ट काफी चर्चा में रहा। इसको अलावा रोहमन ने सुष्मिता को बर्थडे पर बड़ा ही खूबसूरत सरप्राइज भी दिया, जिसके कई विडियोज ऐक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किए। रोहमन ने सुष्मिता के इस बर्थडे को बेहद खास बना दिया, जिसे देख वह खुशी से फूले नहीं समा रही थीं। उन्हों यह विडियो पोस्ट करते हुए लिखा है कि इस सरप्राइज का उन्हें जरा भी आइडिया नहीं लगा, क्योंकि घर के सभी लोग काफी अच्छी तरह से ऐक्टिंग कर रहे थे। दरअसल रोहमन ने सुष्मिता के बर्थडे पर पूरा छत बिल्कुल दुल्हन की तरह सजाया था। लाइटों से सजे छत के बीच एक टेंट लगा था, जिसमें ढेर सारे बलून और केक भी रखा गया था। सुष्मिता के लिए उनकी बेटियों अलिशा और रिनी के अलावा घर के सभी लोगों ने ढेर सारे मेसेजेज हैंग कर रखे थे, जिसे पढ़कर बेहद खुश होती दिखीं वह। इन सबके अलावा उन्हें सरप्राइज में मिला एक प्यारा सा पपी भी और इस विडियो में वह भी नजर आ रहा है।